शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 342 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 12 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दिल्ली विश्वविद्यालय में नहीं पढ़ाया जाएगा मनुस्मृति : कुलपति — पेज 2
डिब्रूगढ़ में युवक की पीटकर हत्या — पेज 3
आज से आप किराएदार नहीं रहे संपत्तियों के मालिक बने : नायब सैनी — पेज 5
विंबलडन सेमीफाइनल में जोकोविच से भिड़ेंगे इटली के मुसेटी — पेज 7

घट रहा है जलस्तर, बाढ़ की स्थिति में हो रहा सुधार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि राज्य में बाढ़ की स्थिति में हर गुजरते दिन के साथ सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 15 अगस्त से पहले राहत कार्य पूरा करना है। हाल ही में फेसबुक लाइव सत्र में सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में जल स्तर कम हो गया है, जिससे बाढ़ की दूसरी लहर से लोगों को हो रही परेशानियों से कुछ राहत मिली है। सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य में बाढ़ की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। डिब्रूगढ़, निमाती, गुवाहाटी, धुबड़ी और ग्वालपाड़ा सहित कई जगहों पर जलस्तर फिलहाल खतरे के निशान से नीचे है। इससे हम यह मान सकते हैं कि बाढ़ की दूसरी लहर से हमारे लोगों को होने वाली परेशानियों से कुछ राहत मिली है। हालांकि, पिछले अनुभवों से मैं यह कहना चाहूंगा कि असम में बाढ़ की तीसरी लहर भी आती है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अस्थायी राहत के तौर पर मौजूदा बाढ़ की स्थिति में सुधार के बारे में पता होना चाहिए। हम राहत शिविरों में रह रहे लोगों की हर संभव तरीके से मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। बहुत कम समय में हम उन छात्रों की मदद के लिए कदम उठाएंगे, जिन्होंने अपनी किताबें खो दी हैं और बेघर हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि 15 अगस्त से पहले हम सभी तरह के सर्वेक्षण पूरे कर लेंगे और गरीबों की मदद कर पाएंगे। उधर गुरुवार को अधिकारियों ने जानकारी दी कि बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, हालांकि राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी घटने लगा है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बताया कि असम और उसके पड़ोसी इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के आसार हैं। उसने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

पीड़ितों की मदद के लिए सेवा भारती ने संभाला मोर्चा, देशभर से सहायता की अपील

नई दिल्ली (हि.स.)। देश का पूर्वोत्तर राज्य असम इन दिनों बाढ़ की भीषण विभीषिका से जूझ रहा है। ब्रह्मपुत्र नद सहित राज्य की सभी नदियां उफान पर हैं और जन-जीवन दूभर हो गया है। लोगों के घर-बार डूब गए हैं और बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। ऐसे में हमेशा की तरह सेवा भारती (पूर्वांचल) के कार्यकर्ता पहले ही दिन से बचाव और राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। सामान्य तौर पर असम में बाढ़ हर वर्ष आती है और उसके लिए सेवा भारती के लोग पहले से तैयार रहते हैं। पर इस वर्ष की बाढ़ ने भीषण रूप से लिया है और आपदा बड़ी हो गई है। ऐसे में सेवा भारती (पूर्वांचल) ने देश भर से सहयोग का आह्वान किया है।सेवा भारती ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि असम के बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ आगे आएं और बड़े मन से आर्थिक सहायता दें। सेवा भारती ने इसके लिए अपना बैंक डिटेल भी साझा किया है। सहायता राशि इस खाते में दी जा -शेष पृष्ठ दो पर

विरोध के बीच एडीआरई परीक्षा पैटर्न में बदलाव पर पुनर्विचार करेगी सरकार

गुवाहाटी। असम प्रत्यक्ष भर्ती परीक्षा (एडीआरई) के पैटर्न को बदलने के हाल के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया मिलने और इससे उम्मीदवारों के समक्ष उत्पन्न होने वाली समस्याओं की संभावना के बाद, राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने का निर्णय लिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ग्रेड थ्री और फोर पदों के लिए भर्ती परीक्षा पैटर्न में बदलाव करने के अपने फैसले पर *पुनर्विचार* करेगी। सीएम शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एक सरकार जो सुनती है! एडीआरई परीक्षा पैटर्न में अचानक बदलाव और उम्मीदवारों के लिए संभावित मुद्दों के बारे में विभिन्न तिमाहियों से मिली प्रतिक्रिया -शेष पृष्ठ दो पर

माता-पिता के साथ समय बिताने के लिए राज्य सरकार देगी दो विशेष छुट्टियां

गुवाहाटी। असम सरकार ने नवंबर में अपने कर्मचारियों को दो विशेष छुट्टियां देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के कार्यालय के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने दो विशेष छुट्टियां जारी की, जिससे की कर्मचारी अपने माता-पिता और घरवालों के साथ समय बिता सके। अधिकारी ने यह भी कहा कि इस विशेष छुट्टी का इस्तेमाल कर्मचारी अपने निजी कार्यों को करने में खर्च न करें। जिन कर्मचारियों -शेष पृष्ठ दो पर

सौ स्कूलों को मजबूत करने के लिए सरकार का हंस फाउंडेशन के साथ एमओयू

गुवाहाटी। चाय बागान क्षेत्रों में 100 मॉडल स्कूलों को मजबूत करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग, असम सरकार और द हंस फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट *एक्स* पर असम में शिक्षा को बदलने के लिए *उत्तम शिक्षा* के एक हिस्से के रूप में हंस फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि असम में शिक्षा को बदलने के लिए उत्तम शिक्षा की शुरुआत -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अरुणाचल में बाढ़ ने मचाई तबाही एक्शन में आए सीएम खांडू

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य में बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान का आकलन करने के लिए गुरुवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव धर्मेंद्र भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित जिलों में सड़क सम्पर्क को शीघ्र बहाल करने के महत्व पर बल दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण टूटी सड़कों की शीघ्र बहाली आवश्यक सेवाओं और सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। सीएम ने सुदूर कुरुंग कुमेय जिले में पारसी-पार्लो से कोलोरियांग तक महत्वपूर्ण सड़क संपर्क को तत्काल बहाल करने के लिए विशेष धनराशि -शेष पृष्ठ दो पर

अंग्रेजों की संसद में भारतवंशियों का दबदबा

सिख सांसद ने हाथों में *गुटका साहिब* और हिंदू ने *गीता* लेकर ग्रहण की शपथ

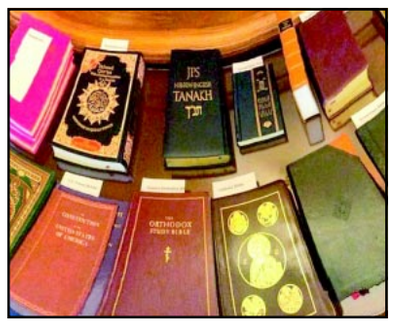

लंदन। हाल ही हुए ब्रिटिश संसदीय चुनावों में 29 भारतीय मूल के लोग चुने गए हैं जिन्होंने अपने-अपने धर्म ग्रंथ हाथों में लेकर शपथ ग्रहण की। इसमें प्रीति पटेल समेत 5 ने बाइबल हाथ में लेकर शपथ ली तो पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तीन ने भगवत गीता को शपथ लेते हुए हाथों में रखा लेकिन सिख सांसद ने इस मौके पर सुंदर गुटका पर हाथ रखते हुए शपथ ली। आइए जानते हैं कि सुंदर गुटका क्या है और इंग्लैंड में शपथ के दौरान कितने तरह के धर्मग्रंथों को हाथों में लेकर शपथ ले सकते हैं। सुंदर गुटका एक छोटी सी पुस्तक (गुटका) है जिसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य स्रोतों से विभिन्न आवश्यक छंद (बानी) या शबद (पवित्र छंद) शामिल हैं, जिनका उपयोग गुरु के शब्दों (गुरबानी) के दैनिक पाठ को करने के लिए किया जाता है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब की कविता को सिख परंपरा में सर्वोच्च सम्मान के योग्य माना जाता है और कई प्रकाशक सुंदर गुटका छापते हैं। सुंदर गुटका सिख प्रार्थनाओं का एक संग्रह है और जिसे गुरबानी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुनिया की लगभग हर चीज सिर्फ ठोकर लगने से ही टूट जाती है, सिर्फ एक कामयाबी ही है, जो ठोकर खाने के बाद ही मिलती है।।

-अज्ञात

लाइट हाउस पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं को दिया जा रहा है आकार : सोनोवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने गुरूवार को केरल के विझनजाम में लाइट हाउस पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की। इस मौके पर सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि बैठक का उद्देश्य लाइट हाउस की अद्वितीय पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करना और उनके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और दर्शनीय मूल्य पर जोर देना था। यह सरकारी निकायों, पर्यटन एजेंसियों, स्थानीय समुदायों और निजी क्षेत्र -शेष पृष्ठ दो पर

सीआईएसएफ भर्ती में अग्निवीरों को मिलेगा 10 फीसदी आरक्षण : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। सरकार की अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों के लिए एक स्वागत योग्य कदम में, केंद्र ने पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबलों के 10 प्रतिशत पद आरक्षित किए हैं। सरकार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) मुख्यालय की शारीरिक दक्षता परीक्षा में भी छूट देगी। सीआईएसएफ की महानिदेशक नीना सिंह ने बताया कि सीआईएसएफ ने इस संबंध में सभी तैयारियां भी कर ली हैं। 14 जून, 2022 को घोषित अग्निपथ योजना में साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को केवल चार वर्षों के लिए भर्ती करने का प्रावधान है, जिसमें से 25 प्रतिशत को 15 और वर्षों के लिए बनाए रखने का प्रावधान है। सरकार ने उस वर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने बजट से पहले अर्थशास्त्रियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्यों और शीर्ष अर्थशास्त्रियों के साथ मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने राजकोषीय रणनीतियों पर उनसे चर्चा की और आम बजट 2024-25 को लेकर उनके विचार और सुझाव जाने। नीति आयोग में आयोजित बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और थिंक टैंक के अन्य सदस्य आर्थिक मुद्दों पर वार्ता में शामिल हुए और और उन्होंने प्रधानमंत्री को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सीएम ने लाभार्थियों को 300 करोड़ के लाभ वितरित किए

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एनं बीरेन सिंह ने गुरुवार को इंफाल के सिटी कन्वेंशन सेंटर में नई योजनाओं और कार्यक्रमों का शुभारंभ करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभ वितरित किए। सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

बिजली गिरने से यूपी में कम से कम 38 लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुधवार को बिजली गिरने से अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। ये मौतें तब बताई गई हैं जब राज्य बाढ़ से जूझ रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन ठप हो गया है। 11 मौतों के साथ, प्रतापगढ़ में बिजली गिरने से सबसे अधिक मौतें हुई, इसके बाद सुल्तानपुर में सात, चंदौली में छह, मैनपुरी में पांच, -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक बना रहा ब्रिक्स : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 10वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज पहले पूर्ण सत्र को संबोधित किया। इस सत्र का विषय था- ब्रिक्स संसदीय आयाम: अंतर-संसदीय सहयोग को सुदृढ़ करने की संभावनाएं। बिरला ने कहा कि विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतान्त्रिक बनाने तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में संसदों और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए बिरला ने कहा कि भारत इस दिशा में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है। उन्होंने उभरते बाजारों और विकासशील देशों को एकजुट करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ ही परस्पर सम्मान, समझ, समानता, एकजुटता, पारदर्शिता, समावेशिता और आम सहमति के -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति मुर्मु और साइना नेहवाल के बीच हुआ बैडमिंटन मुकाबला

नई दिल्ली। राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने बुधवार को ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल के साथ बैडमिंटन खेला। राष्ट्रपति भवन के बैडमिंटन कोर्ट में दोनों ने बैडमिंटन खेला। 66 वर्षीय दौपदी मुर्मु ने खेल के दौरान कई बेहतरीन शॉट लगाए। उन्होंने स्मैश शॉट भी लगाए। उनकी कौशल को देखकर साइना नेहवाल भी हैरान रह गईं। दोनों के बीच बैडमिंटन मुकाबले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। राष्ट्रपति भवन के एक्स हैंडल पर खेल की कुछ तस्वीरों पर शेयर की गई। वहीं, एक पोस्ट में लिखा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बहुचर्चित खिलाड़ी साइना नेहवाल के साथ बैडमिंटन खेला। राष्ट्रपति का यह प्रेरणादायक कदम भारत के बैडमिंटन की दुनिया में एक शक्तिशाली देश के रूप में उभरने के अनुरूप है, जिसमें महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

दिल्ली विश्वविद्यालय में नहीं पढ़ाया जाएगा मनुस्मृति : कुलपति

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय ने लॉ फैकल्टी के उस प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया है, जिसमें मनुस्मृति को पढ़ाए जाने की बात कही गई थी। डीयू कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। इसीलिए प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि लॉ फैकल्टी ने फर्स्ट और थर्ड इयर के छात्रों को *मनुस्मृति* पढ़ाने के लिए सिलेबस में संशोधन करने के लिए डीयू से मंजूरी मांगी थी। इसमें मनुस्मृति पर दो पाठ – जीएन झा की मेधातिथि के

मनुभाष्य के साथ मनुस्मृति और टी कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा मनुस्मृति की टिप्पणी *स्मृतिचंद्रिका* को शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। शिक्षकों के एक वर्ग ने इस प्रस्ताव को महिला विरोधी बताते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि लॉ कोर्सेज में मनुस्मृति पढ़ाने की सिफारिश बेहद आपत्तिजनक है। यह भारत में महिलाओं और पिछड़े वर्गों की शिक्षा और प्रगति के खिलाफ है। इसके किसी भी भाग को शामिल करना हमारे संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ होग।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड रॉकी गिरफ्तार

पटना (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को नीट-यूजी पेपर लीक के कथित सरगनाओं में से एक राकेश रंजन उर्फ रॉकी को पटना के बाहरी इलाके से गिरफ्तार कर पटना स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया। जहां से उसे 10 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया। नालंदा निवासी राकेश रंजन उर्फ रॉकी कई दिनों से सीबीआई के रडार पर था। प्रवेश परीक्षा में अनियमितताओं पर कार्रवाई शुरू होने के बाद से फरार चल रहा था। वह बार-बार ठिकाने बदल रहा था। रॉकी मास्टरमाइंड संजीव मुखिया का रिश्तेदार बताया जाता है। उसे सीबीआई ने पटना के बाहरी इलाके से गिरफ्तार किया। नीट-यूजी पेपर लीक का मामला जबसे सीबीआई को मिला है, उसके बाद से ही सीबीआई उसकी तालाश में थी। तकनीकी निगरानी की मदद से सीबीआई ने उसका सटीक स्थान पता किया और आज उसे गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने अब तक इस मामले बिहार और झारखंड में 15

जगहों पर तलाशी ली थी, जहां से उन्हें मामले में आपत्तिजनक सबूत मिले थे। एजेंसी ने पहले झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को इस मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था और अन्य दो लोगों को भी, जिन्होंने कथित तौर पर नीट उम्मीदवारों को परिसर किराए पर मुहैया करवाया था। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक इस मामले में छह एफआईआर दर्ज की हैं।

भाजपा और मीडिया का एक वर्ग प. बंगाल को बदनाम कर रहा है : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में उत्तर 24 परगना जिले के अरियादाह में हुई भीड़ के हमले की घटना को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर राज्य की छवि खराब करने का आरोप लगाया। कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि दो साल पुरानी जिस घटना का वीडियो वायरल हुआ है, वह उस समय हुई थी जब अर्जुन सिंह बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद थे। उन्होंने टीवी चैनलों के एक वर्ग पर बुधवार के उपचुनाव से पहले भाजपा के इशारे पर वह पुराना वीडियो बार बार दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मीडिया का एक वर्ग और भाजपा बंगाल में मिली हार को पचा नहीं पा रही, इसलिए राज्य को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने जो कांड किया, वह बंगाल के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने 2021 की एक घटना के बारे में लगातार 72 घंटे तक एकतरफा खबर पेश की। टीएमसी प्रमुख ने दावा किया कि कुछ टीवी चैनल सीबीआई-ईडी छापों के डर से भाजपा के पक्ष में पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समाचार चैनल लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वे भाजपा के मुखपत्र बन गए हैं। अगर मीडिया जांच करना चाहता है, तो राज्य सचिवालय में लोग हैं। वे वास्तविक स्थिति जानने के लिए पुलिस से जांच करा सकते हैं। यहां तक कि जब पुलिस कुछ जानकारी दे रही है, तो उसके बारे में भी नहीं बताया जा रहा। बनर्जी ने कहा कि यह इतने लंबे समय तक नहीं चल सकता। मैं उनसे ऐसा न करने का अनुरोध कर रही हूं।

सरकार का लक्ष्य संतों की शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाना : डिप्टी स्पीकर

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार संत महात्माओं की जयंतियां राज्यस्तरीय स्तर पर मना रही है। संतों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचा ही उनका लक्ष्य है। इस क्रम में पहली बार महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती का आयोजन हिसार में किया जाएगा। गुरुवार को डिप्टी स्पीकर गंगवा ने 21 जुलाई को हिसार में होने वाले महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के राज्यस्तरीय समारोह का न्यौता देने के लिए सोनीपत में पत्रकार वार्ता की उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह इस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। गंगवा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह की नेतृत्व में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज की मांगों को पूरा करते हुए क्रीमी लेयर की आय सीमा को 6 लाख रुपए से बढ़ाकर 8 लाख रुपए किया गया है, उसमें सैलरी और कृषि आय नहीं जोड़ी जाएगी।

भजन गाते-गाते मंच पर बेहोश होकर गिरे एसडीएम, हार्ट अटैक से मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के गजपति जिले में सरकारी अधिकारियों के मिलन कार्यक्रम में जगन्नाथ भजन गाते हुए एक अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) मंच पर बेहोश हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। इन अधिकारी की पहचान गजपति जिले के एडीएम (राजस्व) बीरेंद्र कुमार दास के रूप में हुई है। यह घटना बुधवार शाम में घटी जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गजपति के जिलाधिकारी स्मृति रंजन प्रधान ने कहा कि एडीएम भजन गाते हुए अचानक बेहोश होकर गिर गए और उन्हें एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां पता चला कि उनका रक्तचाप बहुत अधिक है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बरहामपुर एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रधान ने कहा कि वह कुशल प्रशासक थे और पूरा जिला प्रशासन उनके निधन पर शोकाकुल है। दास के रिश्तेदार चंद्रकांत मलिक ने कहा कि चुनाव पूरा हो जाने पर अधिकारियों का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि जब वह (दास) मंच पर गये और भगवान जगन्नाथ का उड़िया भक्ति गीत गाने लगे तो अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रशासनिक

अधिकारी संग्राम केशरी पांडा ने कहा कि जिलाधिकारी से सूचना मिलने के बाद हमने डॉक्टरों की एक टीम बनाई थी। उन्हें करीब आधी रात को हमारे अस्पताल में लाया गया तब तक उनकी जान चली गयी थी। उन्होंने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा परीक्षण से पता चला है कि दिल का तीव्र दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। इस बीच मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एडीएम की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि वह समर्पित एवं जिम्मेदार अधिकारी थे और उन्होंने हमेशा जनसेवा के लिए के लिए काम किया। माझी ने उनके शोकसंतप्त परिवार के लिए गहरी संवेदना व्यक्त की।

इनेलो व बसपा मिलकर लड़ेगी हरियाणा विस चुनाव

चंडीगढ़ (हिंस)। लगभग चार माह बाद होने वाले हरियाणा विधानसभा के चुनाव इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) तथा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मिलकर लड़ेंगे। इन दोनों दलों के बीच चुनावी गठबंधन हो गया है। राज्य की 90 सीटों वाली विधानसभा में बसपा 37 और इनेलो 53 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और इनेलो नेता अजय चौटाला मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। यह ऐलान गुरुवार को चंडीगढ़ में एक पत्रकार वार्ता के दौरान इनेलो नेता अभय चौटाला तथा बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने किया। यह तीसरा मौका है, जब हरियाणा में बसपा व इनेलो के बीच गठबंधन हुआ है। वर्ष 2019 के चुनाव में भी इनेलो-बसपा गठबंधन हुआ था, लेकिन चुनाव से पहले ही यह गठबंधन टूट गया था। गठबंधन का ऐलान करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि यह गठबंधन स्वार्थ के लिए नहीं बल्कि जनता की इच्छा के अनुसार किया गया है। भाजपा और कांग्रेस ने देश को लूटा है। चौटाला ने कहा कि हम गैर भाजपा और गैर कांग्रेस गठबंधन बनाकर सरकार बनाएंगे। वहीं, बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक और मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद ने कहा कि सरकार बनने पर अभय चौटाला को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। यह गठबंधन सिर्फ विधानसभा चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा, अन्य चुनाव भी मिलकर लड़े जाएंगे। आकाश ने बताया कि मायावती और अभय चौटाला की 6 जुलाई को मीटिंग हुई थी, जिसमें गठबंधन को लेकर सहमति बनी थी। हरियाणा विधानसभा की कुल 90 सीटों में से बसपा 37 तथा इनेलो 53 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। सीटों का क्षेत्र के आधार पर बंटवारा बाद में किया जाएगा। चंडीगढ़ में गठबंधन का औपचारिक ऐलान के बाद बसपा सुप्रीमो मायवती ने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी और इसे निस्वार्थ गठबंधन बताया। मायवती ने ट्वीट करके कहा कि बसपा व इनेलो हरियाणा में होने वाले विधानसभा के आम चुनाव में वहां की जनविरोधी पार्टियों को हराकर अपने नए गठबंधन की सरकार बनाने के संकल्प के साथ चुनाव लड़ेंगे। हरियाणा में सर्वसमाज हितैषी जनकल्याणकारी सरकार बनाने के संकल्प के कारण इस गठबंधन में एक-दूसरे को पूरा आदर सम्मान देकर सीटों के बंटावारे में पूरी एकता व सहमति बन गई है।

पृष्ठ एक का शेष

घट रहा है जलस्तर...

अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अधिकतर स्थानों पर तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पांच और लोगों की मौत हो गई और 25 जिलों में 14 लाख से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इस साल बाढ़, भूस्खलन, तूफान और बिजली गिरने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 100 पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2.37 लाख पीड़ितों के साथ धुबड़ी बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। इसके बाद कछार में 1.82 लाख और गोलाघाट में 1.12 लाख लोग बाढ़ प्रभावित हैं। एएसडीएमए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के विभिन्न स्थानों में बाढ़ का पानी घट रहा है। अगर बारिश रुक जाए तो स्थिति में लगातार सुधार होगा। प्रशासन वर्तमान में 20 जिलों में 365 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र संचालित कर रहा है और 1,57,447 विस्थापित लोगों की देखभाल की जा रही है। अधिकारियों ने पिछले 24 घंटों में राज्य के बाढ़ पीड़ितों को 2,825.36 क्विंटल चावल, 517.22 क्विंटल दाल, 151.97 क्विंटल नमक और 14,015.39 लीटर सरसों का तेल वितरित किया है। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में 2,580 गांव जलमग्न हैं और असम में 39,898.92 हेक्टेयर फसल क्षेत्र नष्ट हो गया है। कछार, दरंग, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, करीमगंज, कोकराझार, लखीमपुर, मोरीगांव, नगांव, बरपेटा, बोंगाइगांव, चराइदेउ, ग्वालपाड़ा, गोलाघाट, जोरहाट, कामरुप और माजुली में बाढ़ के कारण तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य आधारभूत संरचनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र नदी निमातीघाट, तेजपुर, गुवाहाटी और धुबड़ी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसकी सहायक नदियां, चेनीमारी में बुढ़िदीहिंग और नांगलमुराघाट में दिसांग भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। एएसडीएमए ने बताया कि बराक नदी की सहायक नदी कुशियारा करीमगंज शहर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसमें कहा गया है कि बाढ़ के कारण असम में 11,28,398 से अधिक पालतू मवेशी और मुर्गियां प्रभावित हुई हैं।

पीड़ितों की मदद ...

सकती है-नाम- सेवा भारती पूर्वांचलबैंक- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा-लाचित नगर, गुवाहाटी खाता संख्या- 35545221261आईएफएससी कोड-एसबीआईए0014255सेवा भारती पूर्वांचल ने इस संबंध में एक व्हाट्सअप नंबर भी जारी किया है, जिस पर दान देने के बाद जानकारी और अपना पैनकार्ड नंबर भेजा जा सकता है। ताकि आपके दान की पावती भेजी जा सके। यह नंबर है-8011422133। इसके साथ ही सेवा भारती का कहना है कि वह नए कपड़े, नए कंबल, बच्चों की खाद्य सामग्री, दवाइयां, मच्छरदानी के साथ ही फिनाइल और बिलिचिंग पाऊडर जैसी सामग्री भी सीधे स्वीकार कर सकते हैं।

विरोध के बीच ...

के आधार पर, हमने इस मामले पर फिर से विचार करने का फैसला किया है और जल्द ही अपने फैसले से सभी को सूचित करेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य सरकार ने अगले साल अप्रैल तक भर्ती परीक्षा आयोजित करने और विभिन्न विभागों में रिक्तियों को भरने की योजना की घोषणा की थी। सीएम शर्मा ने कहा कि ग्रेड 3 और 4 के लिए भर्ती परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाएगी: प्रारंभिक, मुख्य और मौखिक परीक्षा, जो सितंबर में शुरू होगी। हालांकि, इस घोषणा की आलोचना हुई और कई उम्मीदवारों ने तर्क दिया कि असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) पैटर्न में अचानक बदलाव असुविधाजनक होगा।

माता-पिता के साथ ...

के माता-पिता या सास ससुर नहीं है, वह इस छुट्टी के पात्र नहीं होंगे। सीएम कार्यालय से जारी नोटिस में कहा गया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार ने अपने माता-पिता और सास-ससुर के साथ बिताने के लिए राज्य के सरकारी कर्मचारियों को दो विशेष आकस्मिक अवकाश (छह से आठ नवंबर) देने की घोषणा की है। इसमें कहा गया कि छुट्टियों का इस्तेमाल केवल माता-पिता की देखभाल, उनका सम्मान करने और उनके साथ समय बिताने के लिए किया जाना चाहिए। इन छुट्टियों का इस्तेमाल कर्मचारी अपने निजी कार्यों के लिए नहीं कर सकते हैं। इन छुट्टियों के साथ कर्मचारी सात नवंबर को छठ पूजा का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा नौ तारीख शनिवार और 10 तारीख रविवार है। इस दिन दफ्तर बंद ही रहता है। जिनके माता-पिता या सास-ससुर नहीं वे इन छुट्टियों का आनंद नहीं उठा पाएंगे। बता दें कि माता-पिता के साथ समय बिताने के लिए दो विशेष छुट्टियों की घोषमा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 2021 में पदभार संभालने के बाद अपने पहले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर की थी।

सौ स्कूलों को मजबूत ...

की जा रही है: शैक्षणिक सहायता, जीवन कौशल शिक्षा, तकनीकी हस्तक्षेप, करियर मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा समर्थन और हितधारक जुड़ाव। 2009 में स्थापित, द हंस फाउंडेशन (टीएचएफ), एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट है, जो बच्चों, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों जैसे हाशिए पर पड़े और वंचित समूहों के स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में काम करता है। एक समतापूर्ण समाज बनाने के उद्देश्य से, टीएचएफ समुदायों की समग्र शिक्षा और आजीविका विकास पर भी ध्यान केंद्रित करता है। चाय बागान क्षेत्रों में स्कूलों का कायाकल्प करने के लिए असम सरकार ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है!

अरुणाचल में बाढ़ ...

आवंटित की, जिसमें कुमेय नदी पर पुल भी शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुनर्स्थापना योजना तैयार की जानी चाहिए और बिना किसी देरी के क्रियान्वित की जानी चाहिए। कुरुंग कुमे क्षेत्र और लगातार बारिश के कारण कट गए अन्य बाढ़ प्रभावित जिलों में तत्काल बहाली का काम शुरू किया जाना चाहिए। खांडू ने संबंधित विभागों को प्रभावित क्षेत्रों में समय पर दवाइयां और खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री को कुरुंग कुमे जिला प्रशासन द्वारा दामिन रोड को वाहनों की आवाजाही के लिए फिर से खोलने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश और बाढ़ के कारण कई दिनों से सड़क संपर्क टूटा हुआ था।

सिख सांसद ने हाथों ...

के नाम से भी जाना जाता है, जिसे दस सिख गुरुओं ने लिखा है। अब ये भी जानते हैं कि ब्रिटेन में हाउस ऑफ कामंस और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के लोगो किस तरह शपथ लेते हैं और वो किस तरह के धार्मिक ग्रंथ को साथ में रख सकते हैं। वैसे यूके में नए सांसद बगैर भगवान का नाम या धार्मिक ग्रंथ हाथ में लिए बगैर भी शपथ लेते हैं क्योंकि ब्रिटेन में शपथ में सबसे जरूरी बात राजा के प्रति निष्ठा रखना है। हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य क्राउन के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। सदस्य या तो धार्मिक पाठ का उपयोग करके शपथ ले सकते हैं या गैर-धार्मिक तौर पर। वे संसद में अपनी सीट लेने से पहले ऐसा करते हैं। राजशाही के प्रति निष्ठा की शपथ लेना आम बात है. ये राज्य के प्रति वफादारी की घोषणा के समान है। सांसद शपथ लेने या शपथ लेने तक अपनी सीट नहीं ले सकते, बहस में नहीं बोल सकते, वोट नहीं दे सकते या वेतन नहीं ले सकते। अगर वे ऐसा करने की कोशिश करते हैं तो उन पर 500 पाउंड का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। उनकी सीट को *मृत समझकर* खाली घोषित किया जा सकता है। हाउस आफ कामंस में शपथ के लिए 15 धर्म ग्रंथ या धार्मिक किताबों की मंजूरी दी गई है इनमें हिंदू, बौद्ध, इस्लाम, यहूदी, पारसी, क्रिश्चियन, सिख समेत कई धर्मों से संबंधित ग्रंथ शामिल हैं।

लाइट हाउस पर्यटन को ...

के हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने का आकांक्षी है। सोनोवाल ने आगे कहा कि भारत अपनी भौगोलिक विविधता के साथ संस्कृतिक, सामाजिक लोकाचार और इतिहास के हमारे गतिशील समुच्चय को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर लेकर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित और प्रचारित करके समृद्ध समुद्री विरासत के प्रतीक के रूप में प्रकाश स्तंभों की महिमा प्रकट करने का फैसला किया है। यहां पर नई सुविधाओं के जुड़ने से आने वाले हर माह 15,000 से अधिक पर्यटकों की पहुंचने की संभावना है। सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत में लाइट हाउस पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं को दिया जा रहा है । दीप स्तंभ और दीप पोत महानिदेशालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का विझनजाम में नया साउंड एंड लाइट शो और साथ ही पर्यटकों के लिए अन्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए खासकर वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए विकसित किया जाएगा। दीप स्तंभ और दीप पोत महानिदेशालय पूरे भारत में लाइटहाउस पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। इस पहल का उद्देश्य विरासत और समुद्री संग्रहालयों के विकास सहित वैकल्पिक उपयोगों के लिए मौजूदा लाइट हाउस सुविधाओं को पुनर्जीवित करना है।

सीआईएसएफ भर्ती में ...

बाद में ऊपरी आयु सीमा बढ़ाकर 23 वर्ष कर दी। हाल ही में संपन्न संसद सत्र में विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के बीच अग्निपथ योजना पर विवाद के बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दावों का खंडन करते हुए कहा कि इसे 158 संगठनों से सुझाव लेने के बाद शुरू किया गया था। सिंह, जिन्होंने उस समय हस्तक्षेप किया जब गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे थे, ने यह भी कहा कि कर्तव्य के दौरान अपनी जान देने वाले अग्निवीर को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा मिलता है। केंद्रीय मंत्री ने गांधी से संसद को गुमराह नहीं करने को कहा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अग्निपथ योजना पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के दावों को खारिज करने का भी अनुरोध किया। सैन्य भर्ती योजना का जिक्र करते हुए, गांधी ने दावा किया कि सरकार अग्निवीरों को *इस्तेमाल करो और फेंक दो मजदूर* मानती है और उन्हें *शहीद* का दर्जा भी नहीं देती है।

पीएम ने बजट से ...

कीं। बैठक में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंथा नागेश्वरन, अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला और अशोक गुलाटी तथा वरिष्ठ बैंकर के वी कामथ भी मौजूद रहे। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में पेश करेंगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और अगले दिन सीतारमण संसद के निचले सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करेंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने 27 जून को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि आगामी सत्र में उनकी सरकार अपने इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। यह बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य के विजन का एक प्रभावी दस्तावेज होगा। उन्होंने कहा था कि इस बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के साथ ही अनेक ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे।

विश्व व्यवस्था को अधिक...

सिद्धांतों के प्रति भारत की निष्ठा के बारे में भी बात की। पिछले वर्ष नई दिल्ली में 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन और जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के नौवें शिखर सम्मेलन (पी-20) के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि ये ऐतिहासिक आयोजन विश्व कल्याण और समावेशी विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संयुक्त प्रयास करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। बिरला ने इस बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि भारत का मानना है कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एजेंडा 2030, सतत ऊर्जा परिवर्तन, महिला-पुरुष समानता और सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में नई दिल्ली में आयोजित पी-20 शिखर सम्मेलन में पीठासीन अधिकारियों द्वारा साझा किए गए विचारों और प्रस्तावों से समावेशी और सतत विकास के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। अंतर-संसदीय मंचों की भूमिका के बारे में बात करते हुए बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सांसद प्रगति और सतत विकास के एजेंडा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस संदर्भ में ब्रिक्स संसदीय मंच को एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए बिरला ने कहा कि ऐसे मंच पर सांसदों को नए विचारों, नए कानूनों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का अवसर प्राप्त होता है। बिरला ने भावी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए यह आशा व्यक्त की कि अंतर-संसदीय सहयोग को मजबूत करने से ब्रिक्स देशों के बीच साझेदारी और अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक होगी। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। अंत में उन्होंने अपने रूसी समकक्ष और रूसी संघ की संसद द्वारा किए गए आतिथ्य-सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया। ब्रिक्स संसदीय मंच में चार नए सदस्यों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत करते हुए बिरला ने नए सदस्यों को संगठन में निर्बाध रूप से शामिल किए जाने के लिए रूस के अध्यक्ष की सराहना की। बिरला ने आईपीयू अध्यक्ष तुलिया एक्सन से भी मुलाकात की। 10वीं ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में भाग लेने के लिए बिरला की रूस यात्रा लोकसभा अध्यक्ष के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल की, उनके ऐतिहासिक चुनाव के बाद पहली विदेश यात्रा है।

राष्ट्रपति मुर्मु और...

बड़ा प्रभाव डाल रही हैं। पद्म पुरस्कार विजेताओं की *उनकी कहानी-मेरी कहानी* व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में, पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित, एक प्रतिष्ठित भारतीय खिलाड़ी सुश्री साइना नेहवाल कल राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में एक व्याख्यान देंगी और दर्शकों से बातचीत करेंगी। साइना नेहवाल ने भी राष्ट्रपति के साथ खेलने के लिए मिले मौके पर खुशी जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत के राष्ट्रपति के साथ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह मेरे जीवन का कितना यादगार दिन है। मेरे साथ बैडमिंटन खेलने के लिए राष्ट्रपति जी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

सीएम ने लाभार्थियों ...

के नेतृत्व में समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासों के तहत राज्य भर में 4 लाख से अधिक लाभार्थियों को 300 करोड़ रुपए से अधिक के लाभ वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के समर्थन से हम जीवन और सपनों का निर्माण करेंगे और एक बेहतर मणिपुर के निर्माण की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेंगे।

बिजली गिरने से यूपी ...

प्रयागराज में चार, औरैया, देवरिया, हाथरस, वाराणसी और सिद्धार्थनगर में एक-एक मौत हुई। इन जिलों में दर्जनों लोग झुलस भी गये हैं। प्रतापगढ़ में पांच अलग-अलग क्षेत्रों में हुई मौतों के बाद उनके शवों को एकत्र कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। इस बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश के चंदौली में भी कई लोग घायल हो गए और फिलहाल जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. जिले में बुधवार शाम 4 बजे से 6 बजे के बीच बिजली चमकने के साथ भारी बारिश हुई। अधिकांश पीड़ित, जिनमें 13 और 15 वर्ष की आयु के दो चचेरे भाई-बहन शामिल हैं, खेत में काम करते समय या मछली पकड़ते समय बिजली की चपेट में आ गए। सुल्तानपुर में हुई सात मौतों में तीन बच्चे थे। पीड़ित उस समय बिजली की चपेट में आ गए जब वे धान लगा रहे थे या आम तोड़ने या पानी लाने गए थे। बुधवार को भारी बारिश के दौरान एक पेड़ के नीचे शरण ले रही एक महिला की बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। औरैया में बारिश के कारण आम के पेड़ के नीचे शरण लेते समय एक 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। देवरिया में, खेत की ओर जाते समय आकाशीय बिजली गिरने से 5 साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जहां उसके परिवार के सदस्य पहले से ही मौजूद थे। वाराणसी में आकाशीय बिजली गिरने से दो भाइयों की मौत हो गई, जिसमें एक की झुलसकर मौत हो गई, जबकि दूसरे का फिलहाल इलाज चल रहा है। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों में उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक व्यापक वर्षा जारी रहने का अनुमान लगाया है।

डिब्रूगढ़ में युवक की पीटकर हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले में एक युवक की कुछ युवकों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी है। मृतक की पहचान टॉमलू सोनार (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बुधवार की रात को आलुबाड़ी इलाके में टॉमलू की हत्या कर दी गई। आरोपों के अनुसार यह हत्या दीपज्योति राजबंशी के नेतृत्व आए 11-12 लोगों के एक झुंड द्वारा की गई है। पिछले विवाद का बदला लेने के लिए यह हमला किया गया। टॉमलू को गंभीर हालत में असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। गुरुवार को थाने में पहुंची मृतक की पत्नी ने कहा कि लगातार पिटाई के कारण उसके पति की भोजन नली फट गई। घटना में शामिल सभी 11 लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कड़ी सजा दी जानी चाहिए। मैं अपने मृत पति के लिए न्याय चाहती हूं। हमले के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दक्षिण सलमारा में सड़क दुर्घटना में 35 घायल

दक्षिण सलमारा (हिंस)। असम-मेघालय की सीमा पर स्थित तनगांव में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 35 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मेघालय के पुथिमारी से बामुनपारा की ओर जा रही एक लोडेड बोलेरो पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पिकअप में 36 यात्री सवार थे। चालक ने तनगांव में नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना के परिणामस्वरूप वाहन में सवार सभी यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने यात्रियों की मदद की और उन्हें हाटसिंगीमारी जिला अस्पताल पहुंचाया। आठ यात्रियों की हालत बहुत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए ग्वालपाड़ा रेफर किया गया है।

रंगिया के इच्छापुर में सड़कों की स्थिति दयनीय, लोगों का प्रदर्शन

रंगिया (निसं)। रंगिया विधानसभा क्षेत्र के इच्छापुर में यातायात के नाम पर लोग परेशान हैं। क्षेत्र के लोग यातायात बाधित होने के कारण स्थानीय ग्रामीण सड़कों की खराब स्थिति का विरोध कर रहे हैं। मूल रूप से क्षेत्र के छात्र और आम जनता इच्छापुर से तुलसीबाड़ी को जोड़ने वाले मार्ग के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए यात्रा करते हैं लेकिन वर्षा के समय मार्ग की शोचनीय अवस्था होने के साथ नोना नदी पर बने पुल की खराब स्थिति के कारण यातायात बाधित हो गया है। लोगों की शिकायत है कि उन्हें मरणासन्न रोगियों के लिए चिकित्सा देखभाल का लाभ उठाने में भी बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगो के आरोप के अनुसार चुनाव आते हैं और चुनाव जाते हैं लेकिन क्षेत्र के परिवहन की समस्या का समाधान नहीं होता हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय विधायक भवेश कलिता पर महत्व नहीं देने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी लोगों ने विधायक से सड़कों के निर्माण के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जो कीचड़ भरे पानी के फलत: कृषि क्षेत्रों की तरह हो गई हैं।

दुर्घटना के बाद ट्रक में लगी आग

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी जोराबाट पुलिस चौकी क्षेत्र के तेरह माइल इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुई एक सड़क दुर्घटना के बाद ट्रक में अचानक आग लग गई। जिसके वजह से इलाके में अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीते देर रात पुलिस चौकी क्षेत्र के तेरह माइल इलाके में तेज रफ्तार ट्रक (एएस-28एसी-0458) डिवाइडर से जा टकराया। जिसके बाद ट्रक में लदे केमिकल में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची यातायात पुलिस, जोराबाट पुलिस और अग्निशमन की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के दौरान ट्रक में लदा केमिकल और ट्रक पूरी तरह जल गया। हालांकि, दुर्घटना के बाद चालक और खलासी मौके से फरार हो गए।

प्रस्तावित ब्लड बैंक भवन निर्माण के लिए विधायक कलिता ने किया भूमि का निरीक्षण

रंगिया (विभास)। रंगिया निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों और अनुरोधों के फलस्वरूप कामरूप जिले के रंगिया महकमा सिविल अस्पताल परिसर में ब्लड बैंक का निर्माण करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंजूरी दे दी गई है। इसी उद्देश्य से रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने बृहस्पतिवार को रंगिया महकमा सिविल अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के विभागीय अधिकारियों के साथ प्रस्तावित ब्लड बैंक भवन की भूमि का निरीक्षण किया तथा इसके बुनियादी ढांचे पर चर्चा की। इस दौरान विधायक कलिता ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि रंगिया के लोगों की लंबे समय से चली आ रही समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए आखिरकार रंगिया में ब्लड बैंक के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस ब्लड बैंक के चालू हो जाने से वृहत्तर रंगिया में लंबे समय से चली आ रही ब्लड बैंक की कमी दूर हो जाएगी और मरीजों का इलाज सुचारु रूप से हो सकेगा। मौके पर असम राज्य रक्त ट्रांसफुजन परिषद, खानापारा से रक्त ट्रांसफुजन सेवा के सहायक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. फोखरुल आलम चौधूरी, अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य सहित बहुत से अधिकारी और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

करीमगंज में एक लाख याबा टैबलेट के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में एक लाख याबा टैबलेट के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। खुफिया जानकारी के आधार पर करीमगंज पुलिस ने पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के छिपे हुए कक्ष से एक लाख याबा टैबलेट बरामद की गई। वाहन में सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। इस आशय की जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। मुख्यमंत्री ने इस बरामदगी के लिए करीमगंज पुलिस की सराहना की है।

शिमलिटोला में शव दफनाकर वापस लौट रहे नाव हादसे में पांच लोग लापता

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले के शिमलिटोला पुलिस स्टेशन के अंतर्गत शिमलिटोला में आज दोपहर एक भयानक नाव दुर्घटना हुई। यह पता चला है कि नवागत शिमलिटोला के एक व्यक्ति के शव का स्थानीय श्मशान में अंतिम संस्कार करने गया था और छोटा नाव में बाढ़ के पानी के बीच से वापस आते समय अचानक डूब गई। यह पता चला है कि नाव पर सवार 23 यात्रियों में से 18 ने अपनी जान बचा ली, जबकि पांच अन्य पानी में लापता हो गए। इस बीच शिमलीटोला और रंगजुली पुलिस के साथ-साथ स्थानीय लोगों की मदद से चलाए गए अभियान में क्रमश: मंजीत स्वाहा, जगत करमाकर और सुजान मालाकार क्रमश: तीन लोगों को उद्धार करने में सफल रहे हैं। इस बीच, गौरांग मालाकार और उदय सरकार अभी भी लापता हैं। इस दुखद घटना से इलाके में मातम माहौल छा गया है। हाल ही में रंगजुली पुलिस के सर्कल अधिकारी, मटिया, रंगजुली और शिमलिटोला पुलिस और एसडीआरएफ बल मौके पर पहुंच गए हैं और बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार लोक सेवक

धेमाजी (हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधी की जा रही कठोर कार्रवाई के बावजूद रिश्वतखोर कर्मचारी सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में धेमाजी स्कूल उप निरीक्षक के कार्यालय के वरिष्ठ सहायक दिगंत गोगोई को रिश्वत के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया गया है। विजिलेंस द्वारा गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक शाखा की एक टीम ने कार्यालय कक्ष में रिश्वत की राशि स्वीकार करते ही उन्हें पकड़ लिया। दिगंत गोगोई ने नवंबर 2023 में सेवानिवृत्त हुए एक वरिष्ठ शिक्षक से पेंशन के कागजात तैयार करने के लिए दस हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित शिक्षक से अंतिम किस्त के रूप में सात हजार रुपए लेने के साथ ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

सारथी शांति निवास ने दिव्यांगजनों के बीच बांटी विभिन्न सामग्री

रंगिया (विभास)। राज्य के अनाथ व दिव्यांगनों के बीच सारथी के रूप में खड़े रहते हुए *सारथी शांति निवास न्यास* ने रंगिया क्षेत्र में कई सामाज हितकारी कार्य कर लोगों की प्रशंसा का पात्र रहा है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को सारथी शांति निवास न्यास की पहल के तहत और रंगिया नगर पालिका की मदद से, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के पचास से भी अधिक बुजुर्ग, शारीरिक रूप से सक्षम लोगों को ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, गार्ड स्टैंड, लखुटी आदि प्रदान की गई। रंगिया नगर के बीच स्थित हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा के सांसद दिलीप सैकिया, रंगिया के विधायक भवेश कलिता, रंगिया के महकमाधिपती देवाशीष गोस्वामी, रंगिया पौरसभा अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर और उप-महापौर विद्युत डेका सहित विभिन्न प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। सारथी शांति निवास न्यास के निदेशक बिपुल कलिता द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में महकमाधिपति देवाशीष गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में सांसद दिलीप सैकिया, विधायक भवेश कलिता, महकमाधिपति देवाशीष गोस्वामी सहित रंगिया नगर पालिका के उप- महापौर विद्युत डेका ने बहुमूल्य भाषण दिया। सारथी शांति निवास न्यास के इस नेक कदम की सभी ने सराहना की है।

बंगाईगांव में नौ दिवसीय रथ यात्रा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्तों का अपार समागम

बंगाईगांव। इस्कॉन मंदिर द्वारा आयोजित नौ दिवसीय रथ यात्रा के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर शास्त्री नगर स्थित इस्कॉन मंदिर से नॉर्थ बंगाईगांव के प्रगतिशील भवन में अस्थाई रूप से बनाए गए मौसी के घर में विराजमान है तथा वहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अपार भक्तों की भीड़ हो रही है। दिल्ली से पधारे स्वामी जी के द्वारा रोज जगन्नाथ भगवान की लीला कथा के ऊपर प्रवचन हो रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बच्चों के द्वारा प्रभु जगन्नाथ के जीवनी के ऊपर नाटक प्रस्तुत किया जाएगा तथा शनिवार को जगन्नाथ भगवान के ऊपर मधुरा अष्टकम एवं श्री हरी स्तोत्रम के ऊपर नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। तत्पश्चात रविवार को मायावन नामक नाटक का भी मंचन किया जाएगा। इसके अलावा रोज शांय समय को संध्या आरती की जाती है तथा अंत में महाप्रसादम वितरित किया जाता है। अंतिम दिन 15 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे से उल्टा रथ यात्रा निकलेगी जिसका समापन शास्त्री नगर स्थित इस्कॉन मंदिर में होगा। रथ यात्रा आयोजन समिति ने सभी कार्यक्रमों में भक्तों की भागीदारी की कामना की है।

मालीगांव : बैग में रखा शव मिला

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के मालीगांव में एक घनी आबादी वाले इलाके में एक बैग में एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले मालीगांव में एक आवासीय परिसर के पास उक्त शव को देखा और जालुकबाड़ी पुलिस थाना को इसकी सूचना दी। शव के सभी पहलुओं को देखने के बाद यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि मृतक की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई थी और बाद में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शव को बैग में भरकर घटनास्थल पर फेंक दिया गया है।

टाटा मोटर्स की विमल कार्स ने बिक्री में 3 वर्षों में बनाया रिकॉर्ड

गुवाहाटी। टाटा मोटर्स बिमल कार्स ने पिछले तीन वर्षों में 6,000 वाहनों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। बिमल कार्स ने खुश ग्राहकों को 6000 से अधिक वाहनों को सफलतापूर्वक वितरित किया है। इसे मनाने के लिए टाटा मोटर्स बिमल कार्स ने सबसे ऊंचे ऑफर की घोषणा की है। यह ऑफर 15 जुलाई से 24 जुलाई, 2024 तक सभी बिमल कार शोरूम पर उपलब्ध होगा। बिमल कार्स के अधिकारियों ने पहले ही कहा है कि इस विशेष ऑफर के अनुसार, ग्राहक टाटा सफारी पर मुफ्त बीमा के साथ 1.4 लाख रुपए तक, नेक्सॉन ईवी पर मुफ्त बीमा के साथ 1.3 लाख रुपए तक, पंच पर मुफ्त बीमा, नेक्सॉन पर 1 लाख तक और हैरियर पर मुफ्त बीमा के साथ 1.2 लाख रुपए तक का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर बिमल कार्स, एमडी बिमल कार्स, अरिहंत सरावगी, सीईओ-बिमल कार्स, ऋषि खेमका, टेरिटोरियल मैनेजर-टाटा मोटर्स और दीपांकर दास, एमडी बिमल कार्स उपस्थित थे।

तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष का भव्य स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष मनसुखलाल सेठिया अपनी गुवाहाटी यात्रा के क्रम में वृहस्पतिवार को स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में पधारे। इस अवसर पर प्रात: 10:30 बजे से एक विशेष स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। सर्वप्रथम गुवाहाटी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा ने सभी अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन करते हुए कहा कि संस्था शिरोमणि के द्वारा गुवाहाटी सभा को जो भी निर्देश दिए जाएंगे उसे हम पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सेठिया ने अपने ओजस्वी व प्रेरणादायक उद्बोधन में महासभा द्वारा संचालित विभिन्न प्रवृत्तियों की विस्तार से जानकारी दी। महासभा के उपाध्यक्ष विजय कुमार चोपड़ा, ट्रस्टी प्रताप कोचर, आंचलिक प्रभारी सुशील भंसाली, छत्तीसगढ़ आंचलिक प्रभारी विनोद बरलोटा, कार्यकारिणी सदस्य बजरंग कुमार सुराणा, दीपक हीरावत, नरेंद्रजी सेठिया ने सदन में अपनी उपस्थिति प्रदान की एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर स्थानीय सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों ने अतिथियों का फुलाम गामोछा एवं साहित्य आदि से सम्मान किया एवं अपने वक्तव्य रखे। इस मौके पर स्थानीय सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ ही श्रावक-श्राविकागण एवं समाजबंधु उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सभा के मंत्री राजकुमार बैद ने किया। समारोह का सफल संचालन सभा के वरिष्ठ सहमंत्री राकेश जैन ने किया। इस आशय की जानकारी तेरापंथी सभा के सहमंत्री अशोक कुमार बोरड़ ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि थाना क्षेत्र के पाथारकुची नौतून बजार इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान ड्रग्स बेचने के लिए पहुंचे एक तस्कर क को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान रोहित सिंगला (28) के रूप में की गई है। जो बेलतला के सौरभ नगर का रहने वाला बताया गया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से प्लास्टिक की छोटी-छोटी 25 सीसी में भरकर रखे गए 35 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

प्रतिष्ठित टूर्नामेंट डूरंड कप का मेजबानी करेगा कोकराझाड़

गुवहाटी। भारतीय सेना खेलों को बढ़ावा देने के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है खिलाड़ी और देश के युवाओं में अनुशासन और फिटनेस का संचार करना। एशिया का सबसे पुराना क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट, प्रसिद्ध डूरंड कप, 1888 में शुरू हुआ था। विदेश सचिव सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड आजादी के बाद से तीनों सेनाएं उस प्रतिबद्धता की गवाही देती हैं। तब से प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को भारत की फुटबॉल राजधानी कोलकाता में स्थानांतरित कर दिया गया डूरंड की किंवदंती को उत्तर पूर्व तक फैलाने के सेना के कथित प्रयास का फल मिला है। कोकराझाड़ पहली बार मेजबान शहर बना। इस वर्ष भी, शांति का शहर, कोकराझाड़ प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जिसका पहला मैच 30 जुलाई, 2024 को साई स्टेडियम, कोकराझाड़ में होगा। 14 जुलाई 2024 को कोकराझाड़ के बोडोफा ऑडिटोरियम में प्रतिष्ठित डूरंड ट्रॉफियों का अनावरण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती होंगी। इस कार्यक्रम में श्री प्रमोद बोरो, सीईएम, बीटीसी और लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) गजराज कोर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और असम के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। फुटबॉल और खेल बिरादरी। समारोह और ट्राफियों के अनावरण के बाद, इन्हें अगले चार दिनों के लिए बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अन्य क्षेत्रों के दौरे के लिए रवाना किया जाएगा और जनता के प्रदर्शन के लिए खुला रहेगा। यह आयोजन फुटबॉल का एक अद्भुत उत्सव होगा, जिसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है यह दिन भारतीय टीम की हालिया सफलता के साथ है और असम अब गर्व से गौरवान्वित है कोकराझाड़ में दूसरा डूरंड स्थल, हमारा मानना है कि पूरे राज्य को खेल के बुनियादी ढांचे और प्रशंसकों के मामले में भारी बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम को कवर करने के लिए मीडिया को

संपादकीय

जम्मू में लौटा आतंकवाद

अक्सर कहा जाता है कि जम्मू-कश्मीर में पाकपरस्त आतंकवाद घाटी तक ही सीमित था। जम्मू संभाग, कठुआ, डोडा, राजौरी-पुंछ में वैकल्पिक रणनीति के तहत आतंकी हमले किए जाते थे। ज्यादातर सैन्य वाहनों को निशाना बनाया जाता था। करीब 20 साल पहले जम्मू संभाग से आतंकियों का सफाया कर दिया गया था। कुछ हद तक सरकार का यह दावा सही है, लेकिन अब जो आतंकी हमले बढ़े हैं, उनके मद्देनजर लगता है कि जम्मू क्षेत्र और उसके आसपास पाकपरस्त आतंकवाद लौट रहा है। बीते साल सबसे अधिक आतंकी हमले राजौरी-पुंछ में किए गए, जिनमें 25 आतंकी ढेर कर दिए गए, लेकिन हमारे 20 जवान भी 'शहीद' हुए। ताजातरीन हमला कठुआ से करीब 150 किलोमीटर दूर एक गांव में किया गया। सैनिक एक वाहन में सवार थे। यह हमला पुलवामा हमले का सारांश लगता है। इस बार भी आतंकियों ने सेना के वाहन पर गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। हमले में अमरीका की वे अत्याधुनिक राइफलें इस्तेमाल की गई थीं, जो आतंकियों का नाश करने के लिए पाकिस्तान को मुहैया कराई गई थीं। सवाल और जवाबदेही अमरीका और पाकिस्तान से है कि वे राइफलें आतंकियों के पास कैसे पहुंची? जाहिर है कि पाकिस्तान अब भी आतंकियों की मदद कर रहा है और उनकी 'पनाहगाह' बना है। दरअसल जम्मू संभाग में आतंकी हमले लोकसभा चुनाव और जम्मू-कश्मीर में लबालब मतदान के जरिए लोकतंत्र के समर्थन और 9 जून को तीसरी बार मोदी सरकार के शपथ-ग्रहण के बाद बढ़े हैं। चुनावी जनादेश की घोषणा की तारीख 4 जून के बाद जम्मू-कश्मीर में कुल 24 आतंकी हमले किए गए हैं, लेकिन इनमें से 18 हमले जम्मू संभाग में ही किए गए। सोमवार 8 जुलाई के कठुआ हमले में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) समेत 5 सैनिक 'शहीद' हुए और 5 अन्य घायल हैं। न जाने उनकी तबीयत भी कैसी होगी? यकीनन सेना इन शहादतों का प्रतिशोध जरूर लेगी। इस हमले से 24 घंटे पहले सेना ने दो मुठभेड़ों में 6 आतंकी मारे थे, जबकि 2 जवान 'शहीद' हुए थे। कठुआ जिले में यह दूसरा आतंकी हमला है। बीती 12-13 जून को कठुआ में हमले के दौरान 2 आतंकी मार गिराए गए थे। बहरहाल हमें विश्वास है कि आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे, हमारा सैन्य ऑपरेशन वहां से निकाल कर उन्हें ढेर करेगा, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकियों के प्रति रणनीति बदलनी पड़ेगी। उसके बिना आतंकियों को नेस्तनाबूद नहीं किया जा सकता। राजौरी और पुंछ पाकिस्तान सरहद से सटे हुए जिले हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण गुर्जर और बकरवाल आदिवासी ही इन क्षेत्रों में रह पाते हैं। इन पर आतंकियों से पैसे लेकर मदद देने का भी आरोप लगता रहा है। सेना के सामने इन्हें मुखबिर बनाने की गंभीर चुनौती है। इनकी मदद के बिना पाकपरस्त आतंकियों का सफाया असंभव है। बीते दिनों गृह मंत्रालय में एक विशेष बैठक हुई, जिसमें राजौरी, पुंछ, रियासी, कठुआ आदि क्षेत्रों में सक्रिय 30 आतंकियों की सूची बनाई गई। यह भी तय किया गया कि आतंकियों और उनके मददगारों के सफाए के लिए 'शत्रु एजेंट्स अधिनियम' को मूल रूप में फिर लागू किया जाए। इसमें मददगारों की संपत्ति जब्त करने से लेकर उम्रकैद और फांसी तक की सजा का प्रावधान है। हालांकि सजा घटा कर 10 साल कर दी गई है। अभी यूएपीए भी लागू है, लेकिन 'शत्रु एजेंट्स अधिनियम' ज्यादा सख्त है। इसे जम्मू-कश्मीर में लागू किया जाएगा। इसके अलावा, राजौरी-पुंछ में वे गुफाएं भी ध्वस्त की जाएंगी, जहां आतंकी छिपते रहे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि भारतीय सेना दुनिया में सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। कश्मीर में आतंकवाद के करीब साढ़े तीन दशक बीत चुके हैं। बेशक हमारे ऑपरेशन कामयाब भी रहे हैं। आखिर हमारी सेना पाकिस्तान से अनवरत जारी रही घुसपैठ को रोक क्यों नहीं पाई? कश्मीर में अब भी 130-135 आतंकवादी सक्रिय बताए जाते हैं। उन्हें मार क्यों नहीं दिया गया? उनके मददगारों पर कानूनी प्रहार की याद अब क्यों आई है? हमारी सेना के पास अद्भुत अस्त्र हैं। उन्हें घुसपैठियों पर इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा सकता? पाकिस्तान के साथ युद्धविराम का समझौता बेमानी है, लिहाजा पुनः सोच-विचार करना चाहिए। आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करना होगा।

जम्मू संभाग, कठुआ, डोडा, राजौरी-पुंछ में वैकल्पिक रणनीति के तहत आतंकी हमले किए जाते थे। ज्यादातर सैन्य वाहनों को निशाना बनाया जाता था। करीब 20 साल पहले जम्मू संभाग से आतंकियों का सफाया कर दिया गया था। कुछ हद तक सरकार का यह दावा सही है, लेकिन अब जो आतंकी हमले बढ़े हैं, उनके मद्देनजर लगता है कि जम्मू क्षेत्र और उसके आसपास पाकपरस्त आतंकवाद लौट रहा है। बीते साल सबसे अधिक आतंकी हमले राजौरी-पुंछ में किए गए, जिनमें 25 आतंकी ढेर कर दिए गए, लेकिन हमारे 20 जवान भी 'शहीद' हुए। ताजातरीन हमला कठुआ से करीब 150 किलोमीटर दूर एक गांव में किया गया। सैनिक एक वाहन में सवार थे। यह हमला पुलवामा हमले का सारांश लगता है। इस बार भी आतंकियों ने सेना के वाहन पर गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। हमले में अमरीका की वे अत्याधुनिक राइफलें इस्तेमाल की गई थीं, जो आतंकियों का नाश करने के लिए पाकिस्तान को मुहैया कराई गई थीं।

डार्क वेब को आम तौर पर गैरकानूनी और आपराधिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है

इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग महत्त्वपूर्ण

डा. वरिंदर भाटिया

इंटरनेट का 96 फीसदी हिस्सा डीप वेब और डार्क वेब के अंदर आता है। हम इंटरनेट कंटेंट के केवल चार फीसदी हिस्से का इस्तेमाल करते हैं, जिसे सरफेस वेब कहा जाता है। डार्क वेब इंटरनेट का ऐसा एक हिस्सा है जिसे सर्च इंजन द्वारा इंडेक्स नहीं किया जाता है। डार्क वेब को आम तौर पर गैरकानूनी और आपराधिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। लंदन में किंग्स कॉलेज के शोधकर्ता डैनियल मूर और थॉमस रिड ने 2015 में 5 सप्ताह तक 2723 लाइव डार्क वेब साइट्स की सामग्री को नजर रखी और पाया कि 57 प्रतिशत में अवैध सामग्री मौजूद थी।

डार्क वेब इंटरनेट का वो हिस्सा है, जहां वैध और अवैध दोनों तरीके के कामों को अंजाम दिया जाता है। यह इस समय साइबर दुनिया में चर्चा का विषय है। इंटरनेट का 96 फीसदी हिस्सा डीप वेब और डार्क वेब के अंदर आता है। हम इंटरनेट कंटेंट के केवल चार फीसदी हिस्से का इस्तेमाल करते हैं, जिसे सरफेस वेब कहा जाता है। डार्क वेब इंटरनेट का ऐसा एक हिस्सा है जिसे सर्च इंजन द्वारा इंडेक्स नहीं किया जाता है। डार्क वेब को आम तौर पर गैरकानूनी और आपराधिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। लंदन में किंग्स कॉलेज के शोधकर्ता डैनियल मूर और थॉमस रिड ने 2015 में 5 सप्ताह तक 2723 लाइव डार्क वेब साइट्स की सामग्री को नजर रखी और पाया कि 57 प्रतिशत में अवैध सामग्री मौजूद थी। डीप वेब पर मौजूद कंटेंट को एक्सेस करने के लिए पासवर्ड की जरूरत होती है जिसमें ई-मेल, नेट बैंकिंग आते हैं। डार्क वेब को खोलने के लिए टॉर ब्राउजर का इस्तेमाल किया जाता है। यहां ड्रग्स, हथियार, पासवर्ड, चाइल्ड पॉर्न जैसी बैन चीजें उपलब्ध रहती हैं। डार्क वेब ओनियन राउटिंग टेक्नोलॉजी पर काम करता है। यह यूजर्स को ट्रैकिंग और सर्विलांस से बचाता है और उनकी गोपनीयता बरकरार रखने के लिए सैकड़ों जगह रूट और री-रूट करता है। आसान शब्दों में समझें तो वो शख्स कुछ भी करे, उसे पकडना नामुमकिन हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि डार्क वेब ढेर सारी आईपी एड्रेस से कनेक्ट और डिस्कनेक्ट होता है, जिससे इसको ट्रैक कर पाना असंभव हो जाता है। यहां यूजर की इन्फॉर्मेशन इंक्रिप्टेड होती है, जिसे डिकोड करना नाममुकिन है। डार्क वेब पर डील करने के लिए वर्चुअल करेंसी जैसे बिटकॉइन का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा इसलिए होता है, ताकि ट्रांजैक्शन को ट्रेस न किया जा सके। कहते हैं कि डार्क वेब पर हत्या की सुपारी देने से लेकर हथियारों की तस्करी तक कई अवैध काम होते हैं। डार्क वेब पर यूजर्स से उनकी पर्सनल डिटेल लीक करने की धमकी देकर उनसे मोटे पैसे वसूले जाते हैं। डार्क वेब पर ढेर सारे ऐसे भी स्कैमर्स होते हैं, जो बेहद सस्ते में वो चीजें

भी बेचते हैं जो बैन हैं। बहुत से लोग वहां सस्ते फोन खरीदने के चक्कर में लाखों रुपए गंवा देते हैं। सरे विश्वविद्यालय में डा. माइकल मैकगायर्स द्वारा किए गए एक अध्ययन 'इनटू द वेब ऑफ प्रॉफिट' से पता चलता है कि हालात बदतर हो गए हैं। 2016 से 2019 तक डार्क वेब लिस्टिंग की संख्या जो किसी उद्यम को नुकसान पहुंचा सकती है, 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है? सभी लिस्टिंग (ड्रग्स बेचने वालों को छोडक़र) में से 60 प्रतिशत संभावित रूप से उद्यमों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बिग डेटा, क्रेडिट कार्ड नंबर, नशीली दवाइयां, अवैध हथियार, नकली मुद्रा, चोरी की गई सदस्यता के क्रेडेंशियल, हैक किए गए नेटफ्लिक्स समेत अन्य अकाउंट खरीदे जा सकते हैं। यही नहीं, यहां ऐसे सॉफ्टवेयर खरीदे जा सकते हैं जो आपको दूसरे लोगों के कंप्यूटर में सेंध लगाने में मदद करते हैं। हालांकि सब कुछ अवैध नहीं है, डार्क वेब का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है। उदाहरण के लिए आप शतरंज क्लब या ब्लैकबुक में शामिल हो सकते हैं, जिसे टॉर का फेसबुक जैसा एक सोशल नेटवर्क माना जाता है। अगर आपसे संबंधित डार्क वेब पर कोई जानकारी या दस्तावेज मिलते हैं, तो आप इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते, लेकिन कम से कम आपको पता चल जाएगा कि आप जोखिम वाले स्थान पर चिन्हित हैं। अगर आपकी निजी जानकारी या ऐसी कोई जानकारी डार्क वेब पर है, जिससे आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है, तो आप सूचना एवं प्रौद्यगिकी मंत्रालय के पोर्टल पर या पुलिस को सूचित कर अपना बचाव कर सकते हैं। डीप वेब और डार्क वेब शब्दों का इस्तेमाल कभी-कभी एक-दूसरे के लिए किया जाता है, लेकिन वे एक जैसे नहीं हैं। डीप वेब इंटरनेट पर मौजूद किसी भी ऐसी चीज को संदर्भित करता है जिसे गूगल जैसे सर्च इंजन द्वारा इंडेक्स नहीं किया गया है और इसलिए उस तक पहुंचा नहीं जा सकता। डीप वेब कंटेंट में वह सब कुछ शामिल है जो पेवॉल के पीछे है या जिसके लिए साइन-इन क्रेडेंशियल की आवश्यकता होती है। इसमें वह सभी कंटेंट भी शामिल हैं जिसे उसके मालिकों ने वेब क्रॉलर को इंडेक्स करने से रोक दिया है। मेडिकल रिकॉर्ड, शुल्क आधारित सामग्री, सदस्यता वेबसाइट और गोपनीय कॉर्पोरेट वेब पेज डीप वेब बनाने वाली चीजों के कुछ उदाहरण हैं। अनुमान है कि डीप वेब का आकार इंटरनेट के 96 फीसदी से 99 फीसदी के बीच है। इंटरनेट का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही मानक वेब ब्राउजर के माध्यम से सुलभ है, जिसे आम तौर पर क्लियर वेब के रूप में जाना जाता है। डार्क वेब दरअसल डीप वेब का एक उपसमूह है जिसे जानबूझकर छिपाया जाता है, जिसे एक्सेस करने के लिए एक विशिष्ट ब्राउजर टोर की आवश्यकता होती है। डार्क वेब का आकार वास्तव में कोई नहीं जानता, लेकिन अधिकांश अनुमान इसे कुल इंटरनेट का लगभग 5 फीसदी बताते हैं। डार्क वेब पर नेविगेट करना आसान नहीं है। यह जगह उतनी ही अव्यवस्थित और अस्त-व्यस्त है जितनी आप उम्मीद करेंगे जहां हर कोई गुमनाम है और एक बड़ा वर्ग ठगने के लिए तैयार बैठा हो। डार्क वेब तक पहुंचने के लिए टोर नामक एक अनाम ब्राउजर का उपयोग करना आवश्यक है। टोर ब्राउजर आपके वेब पेज अनुरोधों को दुनिया भर में हजारों यूजर्स द्वारा संचालित प्रॉक्सी सर्वर की एक सीरिज के माध्यम से कनेक्ट करता है, जिससे आपके आईपी एड्रेस को पता लगाना मुश्किल हो जाता है। यह एक छलावे की तरह काम करता है, लेकिन इसका परिणाम एक ऐसा अनुभव होता है जो डार्क वेब जैसा ही होता है।

दृष्टि कोण

भारत को प्रभावी जनसंख्या नीति की जरूरत

वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या 8118835999 है जो वर्ष 2023 से 0.91 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। इसी अवधि में भारत की जनसंख्या 1441719812 है जो वर्ष 2023 से 0.92 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। भारत जनसंख्या के हिसाब से चीन को पीछे छोड़ कर विश्व में पहले नंबर पर आ गया है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1425181397 है। जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाब डालती है। माल्थस थ्योरी के अनुसार जनसंख्या की वृद्धि ज्यामिति प्रगति से बढ़ती है तथा खाद्य उत्पादन केवल अंकगणितीय रूप से बढ़ता है। मतलब आर्थिक संसाधनों में वृद्धि की गति काफी कम होती है और जनसंख्या वृद्धि बहुत ज्यादा होती है। जनसंख्या वृद्धि का भार वर्तमान संसाधनों पर पड़ता है जिससे अकाल जैसी स्थिति भी पैदा हो सकती है, अगर उत्पादकता को जनसंख्या की वृद्धि के हिसाब से न बढ़ाया जाए। बढ़ती आबादी से गरीबी और असमानता बढ़ती है। शिक्षा का बुनियादी ढांचा बढ़ती आबादी की जरूरतों से जूझ रहा होता है तथा स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ बढ़ जाता है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच एक चुनौती बन जाती है। बढ़ती आबादी से शहरीकरण को बढ़ावा मिलता है जिससे मूलभूत आवश्यकताओं और आधारभूत सरंचनाओं पर दबाव बढ़ता है तथा रोजगार के अवसर और परिवहन सुविधाएं प्रभावित होती हैं। प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी के बोझ से पर्यावरणीय चिंताएं बढ़ जाती हैं क्योंकि संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होता है। ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन में तेजी आती है जिससे जल की उपलब्धता भी कम हो जाती है। 2050 तक विश्व की अनुमानित जनसंख्या 9.7 बिलियन तथा जीवन प्रत्याशा 72.6 से बढ़ कर 77.1 वर्ष हो जाएगी। इससे संसाधनों की कमी के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या संबंधी मुद्दों और सतत विकास पर उनके प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1989 में स्थापित यह परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, गरीबी उन्मूलन, मातृ स्वास्थ्य, मानवाधिकारों के महत्व को उजागर करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व जनसंख्या दिवस पर हर साल नया थीम घोषित किया जाता है। इसी के अनुसार पूरे विश्व में जागरूकता अभियान चलाया जाता है तथा इस दिशा में कार्य किया जाता है। वर्ष 2024 का थीम हमें याद दिलाता है कि समस्याओं को समझने, समाधान तैयार करने और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए डेटा संग्रह में निवेश करना महत्वपूर्ण है। वित्त भी वैसा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने स्टेट ऑफ वल्ड पापुलेशन रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार वर्ष 2010 से 2019 के बीच भारत की जनसंख्या में 1.2 प्रतिशत की औसत वृद्धि हुई है। यह वृद्धि चीन की औसत वार्षिक वृद्धि दर से दुगनी से भी अधिक है, जो चिंतनीय है। भारत में शहरीकरण, साक्षरता दर के बढने, देरी से विवाह, एक बच्चा या बच्चा न करने का संकल्प, औरतों का नौकरी करना, आर्थिक मजबूरी के कारण एक बच्चा, बच्चों की मृत्यु दर में गिरावट आदि से प्रजनन दर कम हो गई है। प्रजनन दर 1950 में 6.18 बच्चे थी जो 2021 में 1.91 रह गई है जो 2.1 के आवश्यक स्तर से भी कम है। कम प्रजनन दर के दीर्घ समय में भारत की जनसंख्या गतिशीलता पर प्रभाव पड़ेंगे, जो सोचनीय विषय है। भारत अभी युवा देश है। यहां 27 वर्ष तक की आयु वाली आधी आबादी है तथा 27 वर्ष से ऊपर वाली भी आधी आबादी है। भारत को युवा कार्यबल की आबादी, बुजुर्गों की आबादी से ज्यादा ही बनाए रखनी है। इसलिए भारत को मौजूदा जनसंख्या नीति की पड़ताल करनी चाहिए और बढ़ती जनसंख्या के बारे में सरकार को गंभीरता से लेकर इसे नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम उठाने चाहिए। भारत में जनसंख्या वृद्धि ने प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव डाला है जिससे पानी की उपलब्धता मांग के बढने के कारण कम हो रही है। भारत में 766 जिलों में से 266 जिलों में पानी की कमी हो गई है। दिल्ली, बेंगलुरु तथा अन्य राज्यों में पानी के लिए लोग तड़प रहे हैं। जनसंख्या बढ़ रही है, परंतु जल संसाधन वही हैं। जनसंख्या वृद्धि से शहरीकरण बढ़ जाता है जिससे ठोस अपशिष्ट 0.3 किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन पैदा हो रहा है जो वर्तमान 50 करोड़ शहरी आबादी का 150000 टन प्रति दिन है। यह विकसित देशों से तीन गुणा अधिक है। शहरों के बाहर कचरा भराव क्षेत्र ने पहाड़ों का रूप ले लिया है। ये कचरे के पहाड़ टोक्सिन का रिसाव भूतल पानी में भेजते हैं। भारत ने 2047 तक विकसित भारत बनने का लक्ष्य रखा है। 23 वर्ष में वर्तमान जीडीपी $3.73 ट्रिलियन से $30 ट्रिलियन तक लानी है। इसके लिए परिवार नियोजन ही जनसंख्या वृद्धि को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति है। जिम्मेदार परिवार नियोजन प्रयासों को बढ़ावा देकर जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए भारत सरकार ने 2024-25 के अंतरिम बजट में एक कमेटी बनाने की घोषणा की है। विकसित भारत के लक्ष्य के संबंध में व्यापक चुनौतियों के व्यापक रूप से निपटने के लिए यह कमेटी सरकार को सिफारिशें देगी। परंतु दुःख की बात है कि भारत में पिछले 13 वर्षों से जनगणना नहीं करवाई है। यह वर्ष 2021 में होनी चाहिए थी।

कुछ अलग

बूढ़ा बरगद और अघोरी पर्यावरण प्रेमी...

हालांकि मैं अघोरी पर्यावरण प्रेमी हूं, पर इतना अघोरी भी नहीं कि जून में भी पौधे लगाने निकल पड़ूं। इसलिए हर साल केवल मानसून के आने पर ही पौधे लगाता हूं। उसी खाली जगह में। बरसों से। अबके भी ज्यों ही मौसम विभाग को कहीं से भनक लगी कि मानसून आने वाला है तो उसने समाज को जागरूक करने के औपचारिक इरादे से खबर छपवाई- पर्यावरण को बचाने वाले अखबारों में फोटो छपवाने को बेकरार अपने अपने कंधों पर फावड़ा कुदाल उठा लें। हर साल की तरह नदियों के किनारे बसने वाले बहने के लिए कमर कस लें। बाढ़ मानसून आने से पहले भी आ सकती है। वे हमारी चेतावनी का इंतजार न करें। पहाड़ों पर रहने वाले पहाड़ों पर संभल कर रहें। अपनी जान एक दूसरे की हथेली पर रखकर। शहर वाले अपने घरों की तीसरी मंजिल पर जाने की तैयारी कर लें। सडक़ों पर पानी बादलों के गरजने भर से भी भर सकता है तो मैंने इधर उधर से लगाने के लिए पौधे इक_ा करने शुरू कर दिए। मैं पांव के नीचे की धरती को तो धरती को, सिर के ऊपर के आसमान को भी पौधे लगाकर हरा भरा करना चाहता हूं। सो मैं अपने सिर पर के आसमान में ख्याली पौधे लगाता अपने मोहल्ले के इकलौते बचे बरगद के पास गुजरा तो बरगद ने मुझे प्रसन्न देख पूछा, 'बंधु! इतने प्रसन्न क्यों? क्या सरकार ने डीए की किस्त अनाउंस कर दी? यहां तो जनता का सब लूट भगवान और दो! भगवान और दो! कहते कहते रो रहे हैं।' 'मानसून आ रहा है मित्र! दूसरे मोहल्ले की बगल में पहुंच गया है। क्या टीवी नहीं देखते? अपडेट रहने के लिए टीवी शीवी जरूर देखा करो यार! अब इस साल भी हर साल की तरह पौधे लगाने को मेरी बांछें फडफ़ड़ा रही हैं', कह मैं हाथ में कुदाल न होने के बाद भी हवा में दोनों हाथों से पूरी ईमानदारी से कुदाल लहराता पौधे लगाने का अभिनय करने लगा। 'अब तक कितने पौधे लगा चुके हो?' 'लगा ही रहा हूं दस पंद्रह सालों से। गिनती तो कभी नहीं की।' 'वेतन के पैसे भी गिनते हो तो पौधे भी गिन लिया करो। पर पौधे लगाते कहां हो?' 'जमीन पर और कहां?' मैंने कंधे उचकाते कहा। हद है यार! इतना बूढ़ा हो गया जमीन पर रहते रहते, पर इतना भी मालूम नहीं कि पौधे जमीन पर ही लगते हैं, आसमान पर तो नहीं। बहुधों के साथ ऐसा ही होता है। वे रहते तो जमीन पर हैं, पर असल में जमीन पर होते नहीं। मैंने कहा तो उसने पूछा, 'पर जमीन पर तो मुझे दूर दूर तक कहीं नहीं दिख रहे। तुम्हें दिख रहे हों तो दिखा दो। हो सकता है इतने बरसों से जमीन पर पौधे ढूंढते ढूंढते मेरी नजरें कमजोर हो गई हों', उसके कहने पूछने पर मैंने इधर उधर देखा। वहां वहां देखा जहां मैंने पिछले कई सालों से पौधे लगाए थे। सचमुच दूर दूर तक एक भी पौधा नहीं दिख रहा था। मैंने पौधे लगाए तो फिर गए कहां होंगे? पहली बार प्रश्न सामने खड़ा और भी यक्ष सा। 'क्यों, क्या सोचने लगे?' 'कुछ नहीं।' 'नहीं मिल रहे हैं न अपने लगाए पौधे? मिलेंगे भी कहां? मिलेंगे भी क्यों? ऐसा ही है मित्र! पौधे और रिश्ते लगाने की जरूरत नहीं होती। वे खुद उग आते हैं। जरूरत है तो बस, उन्हें बचाने की। असल में तुम अब पौधे लगाते नहीं। पौधे लगाने का अभिनय भर करते हो। एक से एक के कर कमलों द्वारा तस्वीरें खींचते खिचवाते हर साल लगते तो लाखों पौधे हैं, पर बचते नहीं। कारण, तुम केवल टारगेट पूरा करने के लिए कागजों में पौधे लगाते हुए फोटो छपवाने भर को पौधे लगाते हो। पौधे लगाने को अखबारों में छपने की चीज मानते हो। जो तुमने अखबारों में पौधे लगाने के बदले अपने आप उगे पौधे ही बचाए होते तो आज हमें तुमसे बचने के लिए इधर उधर न छुपना पड़ता। जिस दिन तुम किसी अच्छे काम को फोटो खिचवाने छपवाने से हटकर करोगे उस दिन देखना समाज कैसा होगा। जब तक तुम दिखावे के लिए समाज में परमार्थ करते रहोगे तब तक न हमारा भला होगा न अंध भक्तों का। करोड़ों की गाडियों में लेटे विलासी बाबाओं की गाडियों के टायरों की प्रदूषित मिट्टी न तो चरण रज होती है और न ही स्वर्ग की प्राप्ति का साधन। न किसी नल से आज तक जनता को अमृत नसीब हुआ है।

देश दुनीया से

नेतृत्व की शालीनता से ही समृद्ध लोकतंत्र

एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये। इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं? राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी। दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात् रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे।

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है। हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है। जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में। लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे। अब इन्हीं चुनाव की बात करें- मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट दिया है : एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये। इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं? राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी। दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात् रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे। असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं। कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है। सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है? सवाल यह भी उठता है कि आखिर सांसदों या विधायकों का सदन में, और सदन के बाहर भी, व्यवहार कैसा होना चाहिए? इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं। हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है। कंजरवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है। भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मस ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक-दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सब की सफलता होगी। वे जन-हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं।' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं। वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे। इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हम उसकी प्रशंसा करते हैं। हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते-समझते हैं।' ये शब्द ब्रिटेन के उन दो राजनेताओं के हैं जो कल तक चुनावी-मैदान में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े थे। ऐसा नहीं है कि वहां एक-दूसरे पर राजनेता आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाते। आरोप सब जगह लगते हैं। कुछ कटुता भी होती होगी। लेकिन नेतृत्व से जिस तरह की शालीनता की अपेक्षा होती है, कम से कम इस समय तो उनके व्यवहार में वह स्पष्ट दिख रही है। ऐसा नहीं है कि हमारे यहां विभिन्न दलों के राजनेताओं के बीच पारस्परिक संबंध नहीं होते। ढेरों उदाहरण हैं इस आशय के जिनसे यह पता चलता है कि नीतिगत विरोध का अर्थ दुश्मनी नहीं होता। लेकिन ऐसे भी उदाहरण कम नहीं हैं जो बताते हैं कि या तो हमारे नेताओं में पारस्परिक संबंधों वाली परिपक्वता नहीं है या फिर यह कि नेताओं को लगता है कि संबंधों की मधुरता का कोई लक्षण दिख गया तो उनके राजनीतिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ जायेगा। चुनावी-सभाओं में तो नेताओं के विरोधी तेवर अक्सर दिख जाते हैं, और एक सीमा तक उनकी 'आवश्यकता' को समझा भी जा सकता है, लेकिन संसद और राज्यों की विधानसभाओं में जब राजनीतिक विरोध शालीनता की सीमाएं लांघता दिखता है तो हैरानी भी होती है और दुख भी होता है।

आप का नजरीया

स्मार्ट नहीं, कबाड़ सिटी

जो लोग कल तक बारिश का इंतजार कर रहे थे, उन्हें पहली बौछारों में मालूम हो गया होगा कि शहर में कहर का होना अब एक हकीकत है। जल निकासी के प्राकृतिक स्वरूप को बदलने की हरकतों का असर अब यह कि पहली वर्षा ने बता दिया कि हमारे निर्माण की औकात क्या है। यह सडक़, मोहल्ले से शहर तक आवारा है और इसीलिए हमारे स्थानीय निकाय सिर्फ चुनाव का आंकड़ा बने सियासी हस्तियों और उनकी इच्छाओं को शरण दे रहे हैं। अतिक्रमण की बाहों में फंसे गांव से शहर को अगर देखना है, तो बरसात के हर पहलू में ये कसूरवार हैं। सबसे अधिक पशुओं की आवारगी अगर शहरों में है, तो वहां के समाज में जीने की शर्तें भी लावारिस हैं। भटके तो शिमला के बंदर और बंदरों की निगाह में खुराफाती मंजर का एक मुआयना यह भी कि हर साल उनके जख्म लिए आईजीएमसी तक पहुंच जाते हैं। शहर की वास्तविकता में पीठ किसकी ठोंकी जाए और शहरी विकास महकमा कहां देखा जाए। हद यह कि प्रदेश को दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मिलीं, लेकिन शिमला पर्यटक सीजन के जाम में जकड़ा रहा और धर्मशाला स्मार्ट रोड के निर्माण में अपने जल की निकासी भूल गया। मंडी शहर ने मंदिरों की प्रदक्षिणा में अपने अतिक्रमण का दस्तूर इतना दिखा दिया कि सारी व्यवस्था को सुधारने की जरूरत अब पानी भरने निकल जाती है, तो तमाम बिजली परियोजनाओं से निकला पानी शहर के हर छोर से टकराने लगा है। इस साल भी डर है कि कहीं उम्मीदों से आगे निकल कर बरस गए बादल तो तेरा क्या होगा मंडी शहर। डरने लगीं नगर परिषदें और आश्चर्य करते सोलन, पालमपुर, धर्मशाला, मंडी और शिमला के लोग कि आखिर नगर निगम बनाकर भी शहर क्यों कबाड़ लगने लगा। अब तो नागरिक सोचने पर मजबूर हैं कि चले तो स्मार्ट सिटी बनाने थे, लेकिन पहुंच गए 'कबाड़ सिटी' के पास। आजादी के बाद हिमाचल में एक कस्बे में पर्यटन और पर्यटन में कस्बे का विस्तार करते हुए बीड़-बिलिंग एक सर्किट बन गया, लेकिन वहां की अफरातफरी में निर्माण खूंखार और प्रकृति बीमार हो गई। चंबा व नाहन अपने आप में नगीना थे और यह श्रेय वहां के शासक राजाओं को जाता है। नाहन की जल निकासी और चंबा में बिजली व पानी की व्यवस्था ने कभी नागरिक जवाबदेही को सांस्कृतिक पटल पर सुदृढ़ किया था, लेकिन क्या इन सेवाओं के मॉडल वहां बचे। नाहन अपने विस्तार में पहाड़ खोदते-खोदते कहीं आगे निकल कर कबाड़ हो गया, तो चंबा अपनी वास्तुकला और प्रवृत्ति के खिलाफ चौगान को छीलते-छीलते तंग गलियों में बंद हो गया। आश्चर्य यह कि प्रगति ने नाहन को ऐसा मेडिकल कालेज भवन दे दिया, जिसके अगल-बगल भविष्य अपने कारनामे पर रोता रहेगा। रामपुर बुशहर अपनी भुजाओं में नदी से डरता है, तो हर छोटे-बड़े शहर ने प्राकृतिक कूहलों का नामोनिशान मिटाकर बरसात को कफन का सामान बना दिया, लेकिन पूछेगा कौन। ऑडिट करके देखें कि हिमाचल के नगर निकायों में जो कभी पार्षद बने उनके नाम शहरों की संपत्तियां कैसे लीज, किराए पर या पीपीपी मोड में उठ गईं। कभी सुबह शिमला की सैर करते हुए देखना कि आवारा कुत्ते शहर में किसकी हड्डियां खोज रहे।

आज से आप किराएदार नहीं रहे संपत्तियों के मालिक बने : नायब सैनी

मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में वर्षों से मालिकाना हक से वंचित 5000 लोगों को मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति प्रमाण पत्र वितरित किये। इस योजना के तहत 20 साल से भी अधिक अवधि से बैठे व्यापारियों को कलेक्टर रेट पर उनकी सम्पति का मालिकाना हक दिया गया है। गुरुवार को मानेसर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री वितरण एवं शहरी लाल डोरा सम्पति प्रमाण पत्र वितरण समारोह में सीएम नायब सिंह ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि लंबे समय से लोग इस लाल डोरा की समस्या से पीड़ित थे। शहरी क्षेत्रों में ऐसे लोगों के पास संपत्ति तो थी लेकिन संपत्ति पर उनका मालिकाना हक नहीं था। विवाद को लेकर कोर्ट में कई मामले लंबे समय से चले आ रहे थे, जिसके कारण लोगों में एक भय का माहौल भी था कि कहीं उन्हें उनकी संपत्ति से वंचित न होना पड़े। अगर कोई अपनी संपत्ति

को बेचना भी चाहता था तो बेच भी नहीं सकता था और ना ही इस पर कोई लोन मिलता था। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस समस्या का समाधान करते हुए आम जनता को इस डर से मुक्त करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 के चुनाव के दौरान हमने चुनावी घोषणा पत्र में ऐसे सभी लोगों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक देने का वादा किया था। आज 5000 लोग लाभान्वित हुए है, उन्हें मालिकाना हक मिला है। उन्होंने कहा कि लाल डोरा के अंदर स्थित संपत्तियों में से प्रदेश भर में लगभग दो लाख नागरिकों को संपत्ति का लाभ मिला है। आज के बाद उनकी संपत्ति से उन्हें कोई नहीं हटा सकता, आज से आप अपनी सम्पत्तियों के मालिक बन गए हैं। यह वे संपतियां है जिनका राजस्व अधिकारियों के पास अधिकार का रिकॉर्ड नहीं था। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की एक ही सोच है कि गरीब से गरीब व्यक्ति का भला कैसे हो। उन्होंने कहा कि सेल्फ सर्टिफिकेशन के बाद सभी पात्र लोग तुरंत रजिस्ट्री करवा सकेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने पात्र लोगों को बहुत बड़ी राहत देने का काम किया है। इससे पहले विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता ने योजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत राज्यपाल ने किया पौधारोपण

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को राजभवन में *एक पेड़ मां के नाम* अभियान के अंतर्गत कपूर वृक्ष का रोपण किया। राज्यपाल की पहल पर राजभवन के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा भी इस अभियान के तहत राजभवन में 50 नीम के पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर आरंभ यह अनूठा अभियान है। उन्होंने नागरिकों से अभियान के तहत अधिकाधिक पेड़ लगाने के साथ ही उनका संरक्षण किए जाने का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का हम-सबको प्रदत्त अनुपम उपहार हैं। पेड़-पौधे धरती का श्रृंगार हैं। *एक पेड़ मां के नाम* के अंतर्गत हम पेड़ लगाकर अपनी मां के प्रति तो श्रद्धा व्यक्त करते ही हैं, धरती मां के लिए भी यह हमारी प्रतिबद्धता का सूचक है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचने और पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कर धरती को हरीतिमा से आच्छादित करने पर जोर दिया।

विकास और उन्नति का अद्वितीय बजट : राठौड़

जोधपुर (हिंस)। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार ने बुधवार को जो बजट पेश किया वह विकास और उन्नति का बजट है। जिसके दूरगामी नीतियों के परिणाम होने के साथ यह अद्वितीय बजट है। उन्होंने आज तक 35 बजट देखे है मगर आज तक ऐसा बजट नहीं देखा है। वे गुरुवार को जोधपुर प्रवास पर एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे और मीडिया से बातचीत कर रहे थे। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राठौड़ ने कहा कि विरासत और विकास को समावेश करते हुए यह बजट पेश किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर सशक्त बात को रखते हुए यह बजट अद्वितीय है। इस बजट में 17 हजार अरब की अर्थ व्यवस्था को 29 हजार अरब करने का रोड मैप है। कोई भी टैक्स नहीं लगाया गया है। उसके बाद भी हर वर्ग को विकास की राह दिखाने वाला बजट पेश किया गया है। राठौड़ ने प्रेसवार्ता में कहा कि पांच साल में चार लाख नौकरियां और प्रतिवर्ष दस लाख युवाओं को रोजगारमुखी नौकरी से जोडना यह अद्वितीय बात है। उन्होंने ग्रीन कोरिडोर और सड़क को लेकर कहा कि यह एक बड़ी बात है। चिकित्सा क्षेत्र में आज तक 4-5 प्रतिशत का बजट रहा है, मगर इस बार 8.2 प्रतिशत का बजट रखा गया है जोकि अपने आप काफी बड़ा बजट है।

सत्ता में आते ही बुढ़ापा पेंशन होगी 7500 बेरोजगारों को 21 हजार मासिक भत्ता

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इनेलो व बसपा द्वारा गठबंधन किए जाने के बाद आज उन्होंने अपना घोषणा पत्र भी जारी कर दिया। इनेलो-बसपा गठबंधन ने घोषणा-पत्र के जरिए ने युवाओं-बुजुर्गों के साथ-साथ दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश की है। अभय चौटाला ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनने पर बुढ़ापा पेंशन 7500 रुपए मासिक होगी। हर घर से एक युवा को सरकारी नौकरी दी जाएगी और 21 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। अनुबंध की नौकरियों की बजाय स्थाई नौकरी मिलेगी। विभागों में खाली पड़े पदों को भरा जाएगा। कुमारी मायावती के छोटे भाई व बसपा के वरिष्ठ नेता आकश आनंद ने बार-बार गठबंधन तोड़ने से जुड़े सवाल पर कहा कि ऐसा नहीं है कि हम गठबंधन तोड़ते हैं। मैं पूरे विश्वास और जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि समझौता कभी भी एकतरफा नहीं टूटता। हमारा पंजाब में अकाली दल के साथ बढ़िया से गठबंधन चल रहा है। इनेलो अध्यक्ष महासचिव अभय सिंह चौटाला ने पूर्व में बसपा के साथ गठबंधन टूटने से जुड़े सवाल पर कहा कि पिछली बार हमारी ही पार्टी के कुछ स्वार्थी लोगों की वजह से गठबंधन टूटा। अब वे हमारी पार्टी में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच हर मुद्दे पर पहले ही खुलकर बातचीत हो चुकी है।

बिजली गिरने से चार महिलाओं की मौत

फतेहपुर (हिंस)। फतेहपुर जिले में मलवां थाना क्षेत्र के कुरुस्तीकलां गांव की रहने वाली कुसमा देवी, गोमती देवी और रामकुमारी की खेत में धान लगाते समय आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। इसी घटना में सूरज पाल, शिवांगी, रामश्री गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं, जिले में दूसरी घटना में नीम के पेड़ के नीचे काम कर रही शिखा देवी की भी आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। मलवां थाना क्षेत्र बरमतपुर गांव निवासी शिखा देवी पर बिजली गिरने पर मौत देखकर उनके परिजन फफक कर रोने गले। स्थानीय लोगों की भीड़ जुट आई।

दलित शिक्षा मंत्री के कार्यों को नहीं पचा पा रहे है कांग्रेसी नेता : जितेंद्र गोठवाल

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को कांग्रेसी नेता इसलिए घेरना चाहते है क्योंकि वे दलित है। विधानसभा में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ लगातार कांग्रेसी नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे है। इस तरह की बयानबाजी कांग्रेसी नेताओं की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। विपक्ष एक दलित शिक्षा मंत्री को सहन नहीं कर पा रहा है। ऐसे में वह दलित नेता के खिलाफ सदन में हंगामा कर रहा है। इससे साफ नजर आ

रहा है कि कांग्रेस पार्टी के नेता दलित विरोधी है। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि भजन लाल सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पिछले 6 माह के कार्यकाल के दौरान बेहतर कार्य किया है और अपने विभाग का कुशल संचालन कर रहे है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री के कार्य कांग्रेसी नेताओं को हजम नहीं हो रहे हैं। कांग्रेस पार्टी दलित विरोधी तो हैं ही, सदन में दलित शिक्षा मंत्री के वक्तव्य के बीच में हंगामा करना उनकी दलित विरोधी सोच को साबित भी करता है। कांग्रेसी नेताओं की दलित विरोधी सोच का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि सदन में नेता प्रतिपक्ष को भी बोलने नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष के नेता जब-जब सदन में बोलने के लिए तैयार हुए तब-तब पीसीसी चीफ उनकी बात को काटते हुए मोर्चा संभाल लेते है। क्योंकि वे विपक्ष के नेता को आगे बढ़ने से रोकना चाहते है। पीसीसी चीफ के मन में हमेशा एक डर बना रहता है कि कहीं विपक्ष के नेता बड़े नेता के रूप में ना उभर जाये, ऐसे में यह कहा जा सकता है कि कांग्रेस पार्टी सदैव दलित विरोधी है और कांग्रेसी नेता दलितों के खिलाफ है।

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग

जोधपुर (हिंस)। छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर पाली रोड़ पर पीली टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करने के लिये पहुंचे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के तीन छात्र नेताओं को पुलिस ने विरोध-प्रदर्शन करने के पहले ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एनएसयूआई के तीन छात्र नेता पूर्व छात्रसंघ महासचिव अंकित गहलोत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रत्याशी अक्षय मेघवाल, छात्रसंघ महासचिव जितेंद्र देवड़ा को पुलिस ने पीली टंकी भगत की कोठी के पास से हिरासत में लिया। तीनों छात्र नेताओं को पानी की टंकी पर चढ़कर छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करना चाहते थे लेकिन पुलिस ने पहले ही हिरासत में लिया। बाद में छात्र पुलिस आयुक्तालय पहुंचे और उन्हें छोड़ने की मांग की। बाद में इन छात्रों को रिहा कर दिया गया। एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश महासचिव बबलू सोलंकी ने प्रदेश सरकार और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा से राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की मांग करते हुए कहा कि यदि उनकी मांग को नहीं माना जाता है कि पूरे प्रदेश में एनएसयूआई द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

द एनिमल केयर आर्गेनाइजेशन हरियाणा में 100 करोड़ रुपए लगाएगा

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा में पशु कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के तहत द एनिमल केयर आर्गेनाइजेशन (टाको) ने गुरुवार को हरियाणा सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से 100 करोड़ रुपए की राशि लगाने की पेशकश की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। गुरुवार को समझौता ज्ञापन के तहत टाको गुरुग्राम में सरकारी पशु चिकित्सालय को 24गुणा7 मल्टी-स्पेशियलिटी पशु अस्पताल में अपग्रेड करेगा। हरियाणा में अत्यंत गंभीर पशुओं के लिए पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) इकाई, प्रयोगशाला, फार्मेसी, प्रशिक्षण केंद्र और आश्रय का निर्माण शुरू करेगा। यह सुविधा गुरुग्राम के कादीपुर में स्थित पशु चिकित्सालय की 2 एकड़ भूमि पर तैयार की जाएगी। यह समझौता ज्ञापन हरियाणा में पशु कल्याण सेवाओं के सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें राज्य सरकार अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के साथ 10 साल का सहयोग कर रही है। इस सहयोग के तहत टाको आपातकालीन देखभाल सेवाएं घर-घर पहुंचाने के लिए एक एंबुलेंस और एक उन्नत मोबाइल स्वास्थ्य वैन भी तैनात करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन और राज्य सरकार के बीच इस महत्वपूर्ण साझेदारी से पशुओं की उन्नत देखभाल सुनिश्चित होगी। हरियाणा में पशु कल्याण के परिदृश्य को बदलने के प्रयास के अंतर्गत इससे पहले फरीदाबाद में आश्रय और अब गुरुग्राम में पशु चिकित्सा देखभाल सेवाओं में व्यापक सुधार होगा। उन्होंने कहा कि मैं इस पहल का पशुओं के कल्याण और हमारे समुदायों के समग्र स्वास्थ्य पर पडने वाले सकारात्मक प्रभाव को देखना चाहता हूं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की अध्यक्ष वेदांता में गैर-कार्यकारी निदेशक और टाको की एंकर प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा कि गुरुग्राम में सरकारी पशु चिकित्सा अस्पताल के उन्नयन के लिए 100 करोड़ रुपए के निवेश के साथ एक 24 गुणा 7 मल्टी-स्पेशलिटी पशु अस्पताल का निर्माण और देखभाल केंद्र स्थापित किया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि हम हरियाणा में अत्याधुनिक पशु चिकित्सा देखभाल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की अध्यक्ष रितु झिंगोन ने मुख्यमंत्री को बताया कि गुरुग्राम में उनकी संस्था द्वारा ओपीडी, आधुनिक सर्जिकल सुविधाओं और सर्वोत्तम प्रथाओं के उपयोग सहित पशु देखभाल के लिए उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

पेट्रोल से भरा टैंकर कार पर पलटा एक परिवार के चार लोगों की मौत

जयपुर (हिंस)। राजसमंद जिले के चारभुजा थाना इलाके में गुरुवार सुबह ट्रेलर और टैंकर की भिड़ंत के बाद पेट्रोल से भरा टैंकर एक कार पर पलट गया। इस दौरान कार में सवार एक परिवार के चार लोगों की टैंकर के नीचे दबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पहुंची और क्रेन की मदद से टैंकर को हटाया और कार से सभी शवों बाहर निकाला और अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि हादसा गुरुवार सुबह सवा 8 बजे चारभुजा थाना सर्किल में राजसमंद-गोमती फोरलेन पर मानसिंह का गुढा में हुआ था। जहां केलवाड़ा राजसमंद के रहने वाले कार सवार दीनबंधु (32) पुत्र जगदीश उपाध्याय, पुरुषोत्तम उर्फ पवन उपाध्याय (40), पुत्र जगदीश उपाध्याय, रेणुका उपाध्याय (34) पत्नी पुरुषोत्तम उपाध्याय, मनसुख देवी (68) पत्नी जगदीश उपाध्याय उदयपुर से ब्यावर के लिए जा रहे थे। इस दौरान कार को ओवरटेक करने के चक्कर में ट्रेलर और टैंकर की भिड़ंत हो गई और पेट्रोल से भरा टैंकर उनकी कार पर पलट गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। जहां टैंकर के नीचे दबी कार को निकालने के लिए सिविल डिफेंस टीम को भी बुलाया गया और क्रेन मंगवाकर टैंकर को सीधा कार से दीनबंधु, पुरुषोत्तम, मनसुख देवी और रेणुका को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार दीनबंधु और पुरुषोत्तम सगे भाई थे। रेणुका पुरुषोत्तम की पत्नी थीं। मनसुख देवी दीनबंधु और पुरुषोत्तम की मां थीं।

परिवार सशक्तिकरण को लेकर एक दिवसीय बैठक सह संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

अररिया (हिंस)। जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वाधान में गुरुवार को समाहरणालय स्थित आत्मन सभागार में परिवार सशक्तिकरण एवं परिवार आधारित वैकल्पिक देखभाल, परवरिश, प्रायोजन योजना, दत्तक ग्रहण, बाल देख-रेख आवश्यकता वाले बच्चों एवं विधि विवादित बच्चों के पुनर्वासन हेतु एक दिवसीय बैठक सह संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त बैठक सह कार्यशाला में संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी, संबंधित हितधारकों एवं गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित मिरेकल फाउंडेशन इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक शंम्भू कुमार रजक ने बताया कि प्रायोजन योजना का लाभ अनाथ एवं बेसहारा बच्चों को दिए जाने हेतु विभाग एवं जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि इस तरह के अधिक से अधिक बच्चों को इस योजना का लाभ दिया जा सके। साथ ही बैठक में

दत्तक ग्रहण संस्थान के संबंध में भी जानकारी दी गई। बच्चा गोद लेने की पूरी प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक समन्वयक, विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान के द्वारा विस्तार से बताया गया। पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के प्रति पुलिस प्रशासन सदैव तत्पर हैं। उन्होंने उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को संवेदनशील के साथ काम करने के लिए निर्देश दिए। साथ ही प्रायोजन योजना में भी सहयोग करने के लिए निदेश दिया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने अपने कार्यालय द्वारा संचालित योजनाएं से अवगत कराया जिनसे बच्चों एवं उनके माता-पिता को जोड़ा जा सके।

विद्यार्थी परिषद का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण : गौरव गौड़

मुरादाबाद (हिंस)। जनपद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के मेरठ प्रांत के प्रांत सहमंत्री गौरव गौड़ ने कहा कि ज्ञान शील एकता के मंत्र के साथ कार्य करने वाला छात्र संगठन छात्रों से प्रारंभ हो, छात्रों की समस्याओं के निवारण हेतु एक एकत्र छात्र शक्ति का परिचायक है। विद्यार्थी परिषद के अनुसार छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति होती है। विद्यार्थी परिषद का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है। एबीवीपी के स्थापना दिवस पर साप्ताहिक कार्यक्रम के क्रम में गुरुवार को छात्र उत्सव कार्यक्रम का आयोजन बिलारी स्थित लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एबीवीपी के मेरठ प्रांत के प्रांत सहमंत्री गौरव गौड़, विद्यालय प्रधानाचार्य रामवीर सिंह, जिला संयोजक सोहित राघव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गौरव गौड़ सहित तमाम वक्ताओं ने अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम का संचालन विभाग संयोजक अमन शर्मा ने किया। इस अवसर पर शिव पाल, प्रदीप शर्मा, राजू, गौरव, रोहित, छवि सहित तमाम एबीवीपी के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग को लेकर फाउंडेशन ने सौंपा 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन

अररिया (हिंस)। देश में विकराल रूप से हो रहे जनसंख्या वृद्धि के कारण उत्पन्न हो रहे सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय संकट को रोकने हेतु कठोर और प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग को लेकर जनसंख्या समाधान फाउंडेशन द्वारा जिलाध्यक्ष उमेश राणा एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के नाम डीएम को एक ज्ञापन सौंपा। फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री सुबोध मोहन ठाकुर, प्रदेश प्रचार प्रसार प्रभारी प्रीतम यादव बुलबुल, प्रदेश कोषाध्यक्ष वीरेंद्र मेहता, प्रदेश सह संयोजक विभाष झा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्यवान मालाकार ने सयुंक्त रूप से दी। सौंपे गए 11 सूत्री मांग पत्र में शीघ्र जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर जाती धर्म से उपर उठकर देश के हित में कानून समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू करने, सभी दंडात्मक प्रावधान के साथ कानून के अधिसूचित तिथि के एक वर्ष के भीतर तीसरे बच्चे उत्पन्न करने वाले को सभी सरकारी अनुदान, सब्सिडी आदि के लाभ से समाप्त कर राजकीय सेवा सहित मताधिकार से भी वंचित करने तथा कानून के एक बार उल्लंघन के बाद दूसरी बार उल्लंघन के स्थिति में दस वर्ष कारावास की सजा देने के साथ दो जीवित संतान होने की स्थिति में तलाक होने पर स्त्री या पुरुष कोई भी दूसरी शादी के बाद सन्तानोत्पती के अधिकार से वंचित किए जाने, अवैध घुसपैठ प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों में मूल निवासियों

विशेषकर जनजातीय समाज के अनुपातिक रूप से घटती आबादी के मद्देनजर कुछ समय के लिए उन राज्यों के नागरिकों को कानून के परिधि से बाहर रखने, कानून को लागू करने में अगर आवश्यक हो तो संविधान में उपयुक्त संशोधन करने की बात कही गई है। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि विश्व के मात्र 2.4 प्रतिशत भूभाग पर 17.8 प्रतिशत अर्थात 142 करोड़ से अधिक का भार वहन कर रहे देश में एक समग्र और सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करना ना सिर्फ नए भारत की मांग है। बल्कि आत्मनिर्भर भारत अर्थात विश्व गुरु भारत के निर्माण हेतु अति आवश्यक है।उन्होंने जनसंख्या के विस्फोटक स्वरूप से उत्पन्न जनसंख्या की असंतुलन की समस्या के समाधान हेतु यथाशीघ्र कदम उठाने की मांग प्रधानमंत्री से किया है।

सोशल मीडिया में वायरल धमकी भरे वीडियो की जांच शुरू

कानपुर (हिंस)। स्वरुप नगर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया में जान से मारने की धमकी वाले वायरल वीडियो की पुलिस ने गुरुवार को जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। सहायक पुलिस आयुक्त स्वरुपनगर शिखर ने बताया कि थाना स्वरुपनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा किसी को धमकाने से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की जांच की जा रही है। जांच में आये तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वायरल हुए वीडियो में एक हुक्का बार संचालक खाकी वर्दी पहने एक व्यक्ति के सामने किसी को जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त का कहना है कि जांच के दौरान जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फिजिकल अथवा वीडियो कांफ्रेंसिंग से बहस करने पर होगी सदस्यता समाप्त : हाईकोर्ट बार एसोसिएशन

आज हाईकोर्ट के वकील करेंगे कार्य बहिष्कार

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को तीसरे दिन भी न्यायिक कार्य बहिष्कार करने का आज निर्णय लिया है। यही नहीं, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने अपने अधिवक्ता सदस्यों को लेकर भी सख्ती दिखाई है। कहा है कि कोई भी बार एसोसिएशन का सदस्य अधिवक्ता यदि किसी केस में फिजिकल या वीडियो कांफ्रेंसिंग के मार्फत केस बहस करते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ बार एसोसिएशन कार्रवाई करेगा और उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने गुरुवार को लिए गए अपने निर्णय में न्यायाधीशों को मी लॉर्ड अथवा योर लार्डशिप का प्रयोग न करने को कहा है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पत्र भेजकर सरकारी वकीलों को भी कोर्ट में न जाने को कहा है। कोर्ट में पाए जाने पर सरकारी वकीलों के साथ-साथ प्राइवेट वकीलों से भी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। यहां तक कि यूपी गवर्नमेंट के चीफ स्टैंडिंग काउन्सिल कुनाल रवि सिंह समेत कई वकीलों को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने नोटिस जारी किया है। बार एसोसिएशन की इस सख्ती से वकील कोर्टों में हाजिर नहीं हो रहे हैं। आज भी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के निर्देश पर हाईकोर्ट परिसर में प्रवेश करने वाले सभी गेटों पर वकीलों की ड्यूटी लगाई गई थी ताकि कोई भी वकील चाहे सरकारी हो अथवा गैर सरकारी किसी भी केस में बहस करने के लिए कोर्ट में हाजिर न हो सके। बार एसोसिएशन की इस सख्ती के चलते किसी भी कोर्ट में न्यायिक कार्य नहीं हो सका। वादकारियों को इस कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के सुदूर इलाकों से न्याय पाने के लिए आए वादकारियों को आज भी वापस जाना पड़ा। वकीलों के कार्य बहिष्कार के निर्णय के बाद भी जज अपने अपने कोर्ट में बैठे, परंतु वकीलों की अनुपस्थिति के चलते वे अपने चैम्बरों में वापस चले गए। ज्ञात हो कि मुकदमों की सुनवाई को लेकर प्रक्रियागत परेशानी, कोर्ट में वकीलों से दुर्व्यवहार समेत कई परेशानियों का निराकरण नहीं होने से क्षुब्ध हाईकोर्ट के वकील आज न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। यह निर्णय मंगलवार को हुई हाईकोर्ट बार एसोसिएशन कार्यकारिणी की आकस्मिक बैठक में लिया गया था। मालूम हो कि बुधवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता व महासचिव विक्रांत पांडेय के संचालन में हुई बैठक में कार्यकारिणी ने हाईकोर्ट में वकीलों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। इनमें अधिवक्ताओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार, मुकदमों को रिवाइज करने की पुरानी पद्धति को न मानने, हाईकोर्ट रूल्स में बिना संशोधन मनमाने ढंग से फाइलिंग व रिपोर्टिंग की प्रक्रिया में बदलाव करने, एडवोकेट रोल से संबंधित मांगे गए डाटा को देने से इनकार करने से क्षुब्ध होकर सर्वसम्मति से न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया था। शुक्रवार को वकीलों के कार्य बहिष्कार का तीसरा दिन रहेगा।

दूरसंचार क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा भारत, पीएलआई योजना से तीन वर्षों में 3,400 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।
उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और मेक इन इंडिया के दम पर देश दूरसंचार एवं नेटवर्किंग उत्पादों के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। पीएलआई योजना की मदद से देश में तीन वर्षों में दूरसंचार उपकरणों की विनिर्माण बिक्री 50,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर के पार पहुंच गई है। केंद्र सरकार ने कहा, यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस बिक्री में करीब 10,500 करोड़ रुपये का निर्यात भी शामिल है। पीएलआई योजना की मदद से दूरसंचार क्षेत्र ने तीन वर्षों की इस अवधि में 3,400 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है और 17,800 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है। सरकार ने कहा, आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण के अनुरूप दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पादों और इलेक्ट्रॉनिक्स के बड़े पैमाने पर विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना से देश में उत्पादन, रोजगार सृजन, आर्थिक वृद्धि एवं निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। आयात और निर्यात के बीच घटा अंतर पीएलआई योजना के अलावा सरकार के अन्य प्रयासों से दूरसंचार आयात और निर्यात के बीच अंतर काफी कम हो गया है। दूरसंचार उपकरण और मोबाइल दोनों को मिलाकर 2023-24 में 1.49 लाख करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात किया गया। इस अवधि में आयात 1.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। दूरसंचार व्यापार घाटे में आई गिरावट पीएलआई योजना ने आयातित दूरसंचार उपकरणों पर भारत की निर्भरता को करीब 60 फीसदी तक कम कर दिया है। इससे देश कुछ उत्पादों में लगभग आत्मनिर्भर हो गया है। भारतीय निर्माता अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उत्तरी अमेरिका और यूरोप को 5जी उपकरण निर्यात कर रहे हैं। यही वजह है कि पिछले पांच वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र (दूरसंचार उपकरण और मोबाइल) में व्यापार घाटा 68,000 करोड़ से कम होकर 4,000 करोड़ रुपये रह गया है। मोबाइल फोन आयातक से निर्यातक बना भारत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में पीएलआई योजना की मदद से देश में मोबाइल फोन के उत्पादन और निर्यात में काफी तेजी आई है। भारत अब मोबाइल फोन आयातक से निर्यातक बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया-विस्तारा के विलय से इतने कर्मचारियों की नौकरी पर पड़ेगा असर राहत के लिए उठाए जाएंगे ये कदम

नई दिल्ली । सितंबर के अंत या फिर अक्तूबर की शुरुआत में एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस का विलय हो सकता है। एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस के विलय का असर 600 गैर उड़ान कर्मचारियों की नौकरी पर पड़ सकता है। सूत्रों का कहना है कि इन कर्मचारियों को एयर इंडिया समूह और टाटा की कंपनियों में नौकरी दी जा सकती है। एयर इंडिया और विस्तारा के साथ फिलहाल 23,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं। 600 कर्मचारियों की नौकरी पर पड़ सकता है असर इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने जानकारी दी है कि दोनों एयरलाइंस के विलय से 600 कर्मचारियों की नौकरी पर असर पड़ सकता है। जिन कर्मचारियों की नौकरी पर असर पड़ेगा, उन्हें एयर इंडिया या टाटा समूह की कंपनियों में नियुक्ति दी जा सकती है। जिन कर्मचारियों को इन दोनों समूहों में नौकरी नहीं मिलेगी, उन्हें स्वैच्छिक रूप से अलग होने के लिए एक विशेष पैकेज प्रदान किया जाएगा। सितंबर या अक्तूबर में हो सकता है विलय इस विलय से कितने लोगों की नौकरी पर असर पड़ेगा, इसे लेकर प्रकिया जारी है। बताया गया है कि विलय होने के बाद ही सही आंकड़े सामने आ पाएंगे। माना जा रहा है कि सितंबर महीने के अंत में या अक्तूबर की शुरूआत में एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस का विलय हो सकता है। 12 मई को हुई थी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक इससे पहले 12 मई को एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैंपबेल विल्सन और विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद कन्नन के बीच एक बैठक हुई थी। उस समय, विल्सन और कन्नन, दोनों ने अपने कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि मौजूदा कर्मचारियों विलय के बाद योग्यता के आधार पर नियुक्त किया जाएगा। इस विलय के होने से एक बड़े एयरलाइन समूह का गठन होगा। आपको बता दें कि विलय की घोषणा वर्ष 2022 के नवंबर महीने में की गई थी।

कीमतें थामने के लिएथोक विक्रेताओं को गेहूं बेचेगा केंद्र, 12 फीसदी सस्ते मूल्य पर एफसीआई को दी अनुमति

नई दिल्ली । गेहूं और आटे की बढ़ रहीं कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार थोक ग्राहकों को गेहूं बेचने की योजना बना रही है। अगले महीने से आटा मिलर्स और बिस्किट निर्माताओं को गेहूं बेचा जाएगा। सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को अपने भंडार से 23,250 रुपये प्रति टन पर गेहूं बेचने की मंजूरी दी है, जो मौजूदा खुले बाजार की कीमतों से करीब 12 फीसदी कम है। हालांकि, एफसीआई ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह खुले बाजार में कितना गेहूं बेचने की योजना बना रही है। एफसीआई ने पिछले साल जून में निजी कंपनियों को गेहूं बेचना शुरू किया था। मार्च, 2024 तक एक करोड़ टन से थोड़ा अधिक गेहूं बेचा गया है। एक साल में 6 प्रतिशत तक बढ़े दाम एक डीलर ने कहा, एफसीआई आकर्षक दाम पर गेहूं बेचेगा, इसलिए बड़े पैमाने निजी कंपनियां या थोक ग्राहक खरीदारी में दिलचस्पी दिखाएंगे। लगातार पांच रिकॉर्ड फसल के बाद भीषण गर्मी से 2022 और 2023 में गेहूं की फसल को नुकसान हुआ।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। बिहार, असम, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है जबकि हरियाणा, हिमाचल और केरल समेत कुछ प्रदेशों में कीमतें कम हुई हैं। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 82 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गयी हैं। दूसरी ओर चार महानगरों की बात करें तो दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है ।

बढ़ती मांग की वजह से भूमिगत खाद्य तेल टैंकों का किया जाएगा निर्माण, भंडारण क्षमता बढ़ाने पर विचार

मुंबई ।
देश में खाद्य तेल की खपत जिस तरह से बढ़ रही है, उसको देखते हुए खाद्य तेल का 60 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशी बाजारों से आयात करना पड़ता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में खाद्य तेल की सालाना घरेलू खपत लगभग 24-25 मिलियन टन है, जिसमें 9 मिलियन टन पाम तेल की खपत होती है। घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत सालाना 15-16 मिलियन टन खाद्य तेल का आयात करता है। खाद्य तेल के भंडारण की क्षमता को बढ़ाने पर विचार घरेलू मांग में कमी को पूरा करने के लिए सालाना कम से कम 9-10 मिलियन टन अतिरिक्त खाद्य तेल की आवश्यकता होती है। इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए खाद्य तेल के भंडारण की क्षमता को बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। मुंबई में भूमिगत खाद्य तेल टैंक का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने मुंबई मैलेट बंदरगाह में खाद्य तेल भंडारण के लिए ओपन टेंडर मंगवाए हैं। सूत्रों की मानें तो मैलेट बंदरगाह पर 3.60 करोड़ लीटर क्षमता की भंडारण सुविधा स्थापित की जाएगी। इससे पहले भी देश में खाद्य तेल भंडारण किया जाता है। बरसों पुराने कुछ टैंक मुंबई बंदरगाह एवं जेएनपीटी बंदरगाह पर मौजूद हैं। लेकिन अब नए तहर से इसकी तैयारी की जा रही है।

खाद्य तेल की बढ़ती खपत को देखते हुए लिया गया फैसला

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री शंकर ठक्कर ने बताया कि खाद्य तेल खपत जिस तरह से बढ़ रही है उसे देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए अगले प्राधिकरण के हिस्से के रूप में, यह सुविधा वर्तमान में मैलेट बंदरगाह पर बड़ी मात्रा में उपलब्ध करा ने जा रहा है। पहले यहां फ्यूल टैंक था, इसे अब बंद कर दिया गया क्योंकि अब इसकी आवश्यकता नहीं रही। अकेले मुंबई की सवा दो करोड़ आबादी की रोजाना करीब 40 लाख लीटर खाद्य तेल की मांग है। इस मांग को पूरा करने की मात्रा केंद्र या मुंबई में नहीं है। साथ ही आने वाले समय में यह मांग बढ़ने की भी संभावना है। स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण ने यह निर्माण शुरू कर दिया है,यहां पर खाद्य तेल के अलावा दूध और जूस के भंडारण पर भी विचार किया जा रहा है।

मांग बढ़ने की क्या है वजह

तिरुपति ब्रांड के खाद्य तेल बनाने वाली कंपनी एनके प्रोटीन्स के प्रबंध निदेशक प्रियम पटेल कहते हैं कि देश में खाद्य तेल की खपत बढ़ने की बड़ी वजह आबादी के साथ लोगों का बदलता लाइफस्टाइल है। लोग बाहर खाना खाने जाते है दूसरा स्ट्रीट फूड का चलन बढ़ा है, जिसकी वजह से प्रति व्यक्ति भी तेल की खपत बढ़ रही है। दूसरा बायोफ्यूल ईंधन में भी ऑयल की जरूरत होत है। इसलिए इस सेक्टर में भी मांग ने जोर पकड़ा है। इसको पूरा करने के लिए आयात करना पड़ता है।

खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य

प्रियम पटेल कहते हैं खाद्य तेलों का राष्ट्रीय मिशन के तहत देश खाद्य तेल में आत्मनिर्भर होना होना चाहता है। हम सरकार के साथ सरसों, सोयाबीन और पाम की खेती को बढ़ाने पर लगातार काम कर रहे हैं। वे बताते हैं कि सरसों की खेती बढ़ाने के लिए राजस्थान में काम चल रहा है, वहीं पाम की खेती के लिए नार्थ ईस्ट में ध्यान दिया जा रहा है। खेती को बढ़ाने के लिए उन्नत बीजों की जरूरत है। उन्होंने बताया कि कंपनी के रूप में हम राइब्रांड और सरसों के ऑयल पर फोकस कर रहे हैं। हम इनकी मांग को पूरा करने के लिए लगातार नए प्रोडक्टस में निवेश करेंगे। खाद्य तेल उत्पादन का प्रमुख संघटन सॉल्व्हेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अध्यक्ष अजय झुनझुनवाला ने कहा कि खाद्य तेल में अग्रणी होने की वजह से हमें अपने किसानों को लाभ पहुंचाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए के लिए न्यूनतम विक्रय मूल्य को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। देश में कुल खाद्य तेल खपत में 38 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा पाम तेल का है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए 2025-26 तक अतिरिक्त छह लाख हेक्टेयर तक पाम की खेती का विस्तार करने की जरूरत है। उम्मीद है कि इससे केच्चे पाम तेल का उत्पादन 2025-26 तक 11.2 लाख टन होने का अनुमान है।

सामने आने वाली चुनौतियां

शंकर ठक्कर का कहना है कि खाद्य तेल में आत्मनिर्भर होने की जरूरत है। लेकिन इसमें कई चुनौतियां हैं जो जमीनी स्तर पर देखने की जरूरत है। वे कहते हैं कि सरसों और मूंगफली की खेती देश में पारंपरिक रूप से होती रही है। इसको अपग्रेड करने की जरूरत है। सरकार पाम की खेती को बढ़ावा दे रही है, लेकिन इसके लिए अनुकूल वातावरण नहीं और इसको रिफाइंड किए बिना इस्तेमाल नहीं करते।

सुप्रीम कोर्ट से उद्योगपति अडानी को राहत...गुजरात हाई कोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली ।
सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को बड़ी राहत देकर गुजरात हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें राज्य सरकार से कंपनी को आवंटित 108 हेक्टेयर चरागाह भूमि वापस लेने को कहा गया था। यह जमीन कच्छ जिले में मुंद्रा बंदरगाह के पास नवीनल गांव में स्थित है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। गुजरात उच्च न्यायालय ने गुजरात सरकार से पोर्ट कंपनी को आवंटित 108 हेक्टेयर भूमि वापस लेने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। मामला 2005 का है, जब 108 हेक्टेयर जमीन अडानी पोर्ट्स को आवंटित हुई थी। 2010 में, जब कंपनी ने जमीन पर बाड़ लगाना शुरू किया, तब नवीनल गांव के निवासियों ने जनहित याचिका के साथ गुजरात उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा कि अडानी पोर्ट्स को जो जमीन आवंटित हुई है, वह चारागाह भूमि है। उन्होंने याचिका में तर्क दिया कि गांव चारागाह भूमि की कमी का सामना कर रहा है।

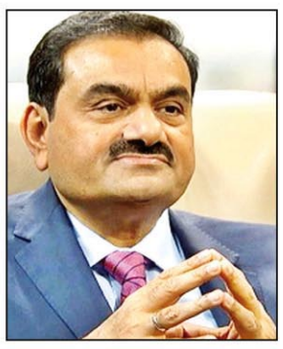

निवासियों के अनुसार, 276 एकड़ भूमि में से 231 एकड़ अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को आवंटित होने के बाद गांव में केवल 45 एकड़ चरागाह भूमि बची है। वर्ष 2014 में, राज्य सरकार ने कहा कि ग्रामीणों को चरागाह के लिए 387 हेक्टेयर सरकारी भूमि देने का आदेश पारित किया है, जिसके बाद अदालत ने मामले का निपटारा किया। लेकिन जब गुजरात सरकार ने 387 हेक्टेयर भूमि का आवंटन नहीं किया, तब ग्रामीणों ने गुजरात हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की। 2015 में, राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि ग्राम पंचायत के पास आवंटित करने के लिए केवल 17 हेक्टेयर सरकारी भूमि उपलब्ध है। राज्य सरकार ने प्रस्ताव दिया कि वे लगभग 7 किलोमीटर दूर शेष भूमि आवंटित कर सकती है।

ग्रामीणों ने अस्वीकार कर कहा कि यह मवेशियों के चरने के लिए बहुत दूर है। अप्रैल 2024 में गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति प्रणव त्रिवेदी की खंडपीठ ने राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को समाधान निकालने का निर्देश दिया। राजस्व विभाग ने पीठ को सूचित किया कि राज्य सरकार ने लगभग 108 हेक्टेयर या 266 एकड़ चारागाह भूमि वापस लेने का फैसला किया है, जो पहले एपीएसईजेड को आवंटित की गई थी। गुजरात हाई कोर्ट ने इस पर संतुष्टि व्यक्त कर राज्य सरकार को इस प्रस्ताव को लागू करने का निर्देश दिया।

चीन की औद्योगिक निर्माण क्षमता से घबराया अमेरिका, कहा इससे दुनियाभर के कामगारों और उद्योगों के लिए खतरा

वॉशिंगटन ।
चीन की औद्योगिक निर्माण की क्षमता के चलते ही दुनिया में उसका प्रभाव बढ़ रहा है, लेकिन इसका पूरी दुनिया पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। ऐसा अमेरिका का कहना है। अमेरिकी सरकार ने अपने एक बयान में कहा कि चीन की चुनौती से निपटने के लिए हमें रक्षात्मक कदम उठाने पड़ेंगे क्योंकि पारंपरिक तरीके से इस पर काबू पाना थोड़ा मुश्किल हो रहा है।

पूरी दुनिया के कामगारों और उद्योगों पर पड़ रहा नकारात्मक असर

अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय मामलों के सचिव जे शामबाग ने कहा कि चीन द्वारा निर्माण में जो असंतुलन पैदा कर दिया गया है और उसकी गैर बाजारवादी नीतियों के चलते न सिर्फ अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया का कामगारों और उद्योगों पर बुरा असर पड़ा है। हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि चीन की अर्थव्यवस्था और उसकी अत्यधिक औद्योगिक निर्माण की क्षमता पूरी दुनिया पर असर डाल रही है और यह सप्लाई चेन के लिए खतरनाक है। साथ ही इसकी वजह से कुछ विनिर्माण क्षेत्रों में बहुत ज्यादा उत्पादन होने से समस्या हो सकती है। शामबाग ने बताया कि चीन की चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका अपने सहयोगियों और विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि चीन की नीतियों का उद्योगों और कामगारों पर बुरा असर न पड़े। उन्होंने कहा कि अत्यधिक उत्पादन और डंपिंग के खिलाफ कदम उठाना संरक्षणवादी या व्यापार विरोधी कदम नहीं है बल्कि यह फर्मों और कर्मचारियों की सुरक्षा के साथ ही अन्य अर्थव्यवस्थाओं को बचाने की कोशिश है। अमेरिका ने चीन से अपील की कि उसे भी इस मामले में कदम उठाने चाहिए।

डिप्टी गवर्नर राव ने एनबीएफसी के खुलासों की गुणवत्ता पर चिंता जताई, संस्थानों के लेखा परीक्षण पर दिया जोर

नई दिल्ली ।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने कुछ गैर बैंकीय वित्तीय संस्थानों (एनबीएफसी) के खुलासों की गुणवत्ता को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कंपनियों का लेखा परीक्षण (ऑडिट) होना चाहिए। इससे इस बात का पता चल सकेगा कि जमाकर्ताओं और अन्य पक्षों को सही जानकारी दी जा रही है या नहीं। राव ने यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ऐसी संस्थाएं जमाकर्ताओं के साथ-साथ अन्य पक्षों को भी उचित गुणात्मक जानकारी प्रदान करें।

'भरोसे को कायम रखना बेहद जरूरी'

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा, 'वित्तीय दस्तावेजों के मामले में सभी पक्षों के भरोसे को कायम रखने के लिए लेखा परीक्षण करना बेहद आवश्यक है। बैंकिंग उद्योग का पूरा तंत्र विश्वास की नींव पर खड़ा है और यहां जमाकर्ता और अन्य पक्षों को अलग-थलग तरीके से रखा गया है।' एम राजेश्वर राव ने वैधानिक लेखा परीक्षकों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं (आईएफआई) के मुख्य वित्तीय अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। राव ने इस बात पर जोर दिया कि बैंकीय और वित्तीय उद्योगों में उच्च स्तर के लेखा-जोखा की आवश्यकता पर आरबीआई का विशेष ध्यान है। इसके साथ ही उन्होंने बाजार में अनुशासन बरकरार रखने के लिए वित्तीय दस्तावेजों में पारदर्शिता पर भी जोर दिया।

मस्क का दावा- हफ्तेभर में न्यूरालिंक की दिमाग में लगने वाली चिप का दूसरा ट्रांसप्लांट

वॉशिंगटन ।
टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अपने हैरतंगेज आइडियाज के लिए हमेशा मशहूर रहे हैं। इसमें सिर्फ गाड़ियां या अंतरिक्ष की सैर जैसे सपने नहीं बल्कि इंसानी दिमाग और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) को जोड़ने की कोशिश भी शामिल है। इसे नाम दिया गया है न्यूरालिंक , जो मस्क की न्यूरल इंटरफेस टेक्नॉलजी कंपनी है। सीधे शब्दों में कहें तो यह कंपनी इंसानों के दिमाग से जुड़ी तकनीक पर काम कर रही है। इसकी मदद से एक इंसान के दिमाग में चिप इंसर्ट कर दी जाएगी जो न सिर्फ दिमाग की सक्रियता को रिकॉर्ड करेगी, उस पर असर भी डाल सकेगी। बता दें, कंपनी अपने पहले रोगी के बाद अब दूसरे रोगी का ब्रेन चिप के जरिए टेस्ट करने जा रही है।

कंपनी का अब यह लक्ष्य

अमेरिका के अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने कहा कि न्यूरालिंक, अपने दूसरे रोगी का टेस्ट करने के लिए आगे बढ़ रही है। एक हफ्ते के अंदर दूसरे रोगी का परीक्षण करने का लक्ष्य रखा है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मंच पर एक लाइव स्ट्रीम के दौरान मस्क और न्यूरालिंक की टीम ने ब्रेन ट्रांसप्लांट को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने में कंपनी की तरक्की से जुड़े सवालों का जवाब दिया। साथ ही टीम ने भविष्य की सर्जरी में उठाए जाने वाले कदमों के बारे में भी बात की ताकि एरिजोना के नोलैंड आर्बॉग पर ब्रेन चिप के पहले ट्रांसप्लांट में हुई कुछ असफलताओं से बचा जा सके।

इलेक्ट्रोड धागे हटने की समस्या के लिए होगा बदलाव

एलन मस्क ने कहा कि लक्ष्य एआई के लंबे सभ्यतागत जोखिम को कम करना है। न्यूरालिंक मानव बुद्धि और तकनीकी इंटेलिजेंस को जोड़कर जीवन को सरल बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा लोगों को सुपर पावर देने के मकसद से किया जा रहा है। साथ ही वे चाहते हैं कि मानव मस्तिष्क सामान्य से और अधिक कुशलता के साथ काम करे। न्यूरालिंक भविष्य में की जाने वाली सर्जरी में मस्तिष्क के ऊतकों से इलेक्ट्रोड धागे के हटने की समस्या को कम करने के लिए कुछ बदलाव करेगा। टीम ने बताया कि प्रस्तावित सुधारों में एक एयर पॉकेट को हटाना शामिल है, जो पहली सर्जरी में धागे को वापस खींचने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगली सर्जरी में, कंपनी मस्तिष्क की सिलवटों पर धागे को अधिक सटीकता से डालने की कोशिश करेगी। टीम ने डिवाइस की भविष्य की पीढ़ियों पर भी चर्चा की।

एलन ने कहा कि पुराने मॉडल वाले मरीजों के लिए नए मॉडल में अपग्रेड करना संभव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप आईफोन 15 चाहते हैं न कि आईफोन 1।

जानवरों पर यह बोले मस्क

टेक अरबपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि न्यूरालिंक अपने शोध के लिए जिन जानवरों का उपयोग करता है, उनकी अच्छी देखभाल करता है। उन्होंने कहा, हम जानवरों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करते हैं।

क्या है न्यूरालिंक चिप

एलन मस्क टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमेशा कुछ नया करने की सोच रखते हैं। न्यूरालिंक उनकी इसी सोच का नतीजा है। न्यूरल इंटरफेस टेक्नोलॉजी वाली ये कंपनी अपनी एक खास चिप को लेकर काफी चर्चा में है। दरअसल न्यूरालिंक, एक ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पावर्ड माइक्रो चिप है, जो ब्रेन की एक्टिविटी को रिकॉर्ड और पढ़ सकती है। खास बात है कि इसकी मदद से लोगों को दिमागी अक्षमता को दूर करने में मदद मिलेगी। कंपनी का दावा है कि यह चिप आपके मन के विचारों को जान सकती है।

कैसे काम करेगी तकनीक

जब इस पूरे प्रोजेक्ट पर काम हो रहा था तब एलन मस्क ने बताया था कि न्यूरालिंक दो उपकरण तैयार कर रही है। पहली सिक्के के आकार की एक चिप है, जिसे इंसान के सिर में लगाया जाएगा। इससे बालों से भी पतले तार निकलेंगे जिनमें लगे 1024 इलेक्ट्रोड दिमाग के अलग-अलग हिस्सों तक जाएंगे। इनसे मिला डेटा चिप के जरिए कंप्यूटर्स तक जाएगा। फिर शोधकर्ता इसका अध्ययन करेंगे। इस चिप के अलावा, एक रोबॉट होगा जो एक सुई की मदद से न्यूरालिंक चिप से निकलने वाले तार इंसान के दिमाग में सिलेगा। मस्क का कहना है कि यह प्रक्रिया सर्जरी जितना आसान होगा। जनवरी में एक सूअर के अंदर इस चिप का डेमो भी दिया गया। यह दो महीने से इसके दिमाग में लगी थी। मस्क ने कुछ वक्त पहले यह भी बताया था कि एक बंदर के दिमाग में यह चिप लगी है और उस पर इसका असर भी है।

विंबलडन सेमीफाइनल में जोकोविच से भिड़ेंगे इटली के मुसेटी

लंदन।
वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन में इटली में सभी की निगाहें जानिक सिनर पर थीं, लेकिन यह लोरेंजो मुसेटी हैं जिन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचकर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच के साथ मुकाबला करने की देश की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ऑस्ट्रेलियाई एलेक्स डी मिनौर के चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद जोकोविच सेमीफ़ाइनल में पहुंचे हैं।

मुसेटी ने अपने करियर का अब तक का संभवत: सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन करते हुए टेलर फ्रिट्ज़ को 3-6, 7-6(5), 6-2, 3-6, 6-1 से हरा दिया। ऐसा करने पर, 22 वर्षीय खिलाड़ी इवेंट के इतिहास में केवल चौथा इतालवी पुरुष एकल सेमीफाइनलिस्ट बन गया।

वर्ल्ड नंबर 1 सिनर के दानिल मेदवेदेव से हारने के बाद भी, मुसेटी ने अपने पहले प्रमुख क्वार्टरफाइनल में उत्कृष्ट और संयमित प्रदर्शन के साथ इतालवी टेनिस की ताकत की तुरंत याद दिला दी। 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने ग्रास-कोर्ट के एक विशिष्ट प्रतिद्वंद्वी को चकमा देने के लिए अपने स्लाइस बैकहैंड का शानदार इस्तेमाल किया और जोकोविच के साथ अंतिम-चार मुकाबले की तैयारी कर ली।

दो बार के एटीपी टूर टाइटलिस्ट मुसेटी ने तीन घंटे, 27 मिनट में यह मुकाबला जीता। ऑल-इंग्लैंड क्लब के नंबर 1 कोर्ट पर अपनी पहली उपस्थिति में मुसेटी की जीत की नींव उनकी सर्विस थी। मुसेटी ने एटीपी टूर के सबसे बड़े सर्वरों में से एक के खिलाफ अर्जित 13 ब्रेक प्वाइंट में से छह को परिवर्तित किया।

हालाँकि, तीन बार के ईस्टबॉर्न चैंपियन फ़िरट्ज़ मैच की स्थिति को बचाने के लिए कुछ नहीं कर सके। मुसेटी ने विंबलडन सेमीफाइनलिस्ट के रूप में अपने देशवासियों निकोला पिएट्रांगेली (1960), माटेओ बेरेटिनी (2021) और सिनर (2023) के साथ जुड़ने के लिए एक प्रसिद्ध जीत हासिल की।

एलेक्स डी मिनौर चोट के कारण जोकोविच के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले विंबलडन से हट गए। नौवीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई ने घोषणा की कि वह सात बार के चैंपियन जोकोविच के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में, डी मिनौर ने आर्थर फिल्स के खिलाफ चौथे दौर की जीत के अंतिम चरण में अपने कूल्हे की चोट के बारे में बात की थी, और वह सेंटर कोर्ट पर दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच से मुकाबला करने के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए।

न्यूज ब्रीफ

टोक्यो की निराशा भुलाकर पेरिस में प्रभावित करने उतरेंगे निशानेबाज

नई दिल्ली । भारतीय निशानेबाज पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जबकि राष्ट्रीय निशानेबाजी संघ (एनआरएआई) ने भी इसके लिए कमर कस ली है। टोक्यो ओलंपिक में निशानेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके अलावा टोक्यो ओलंपिक से पहले निशानेबाजी दल में निजी प्रशिक्षकों को लेकर काफी विवाद हुए थे, जिसका प्रभाव टीम के प्रदर्शन पर पड़ा था। इससे सीख लेते हुए ओलंपिक के दौरान विवादों से दूर रहने के लिए एनआरएआई ने निशानेबाजों के साथ उनके निजी प्रशिक्षकों को पेरिस भेजने की मंजूरी दे दी है। इन निशानेबाजों ने रखी थी मांग तीन इवेंट में हिस्सा ले रहीं मनु भाकर, अनीश, विजयवीर सिद्ध, रिदम सांगवान, राजेश्वरी कुमारी ने पेरिस में निजी प्रशिक्षकों का साथ मांगा है। एनआरएआई, साई ने निजी प्रशिक्षकों को मंजूरी दे दी है। पांचों प्रशिक्षक निशानेबाज के खेल गांव में नहीं ठहरेंगे। उन्हें नजदीक के होटल में ठहराया जाएगा। मनु भाकर ने ओलंपिक के लिए दिग्गज जसपाल राणा, अनीश ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हरप्रीत सिंह, विजयवीर सिद्ध ने इन्हीं खेलों के स्वर्ण पदक विजेता गुरप्रीत सिंह, रिदम सांगवान ने विनीत कुमार और राजेश्वरी कुमारी ने दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चेक गणराज्य के डेविड कोस्टेलेकी को अपने साथ ओलंपिक में ले जाने की मांग की थी। सभी ने टॉप्स के जरिये अपने निजी प्रशिक्षकों को ले जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे मिशन ओलंपिक सेल ने मंजूर कर लिया। रिकॉर्ड 21 शूटर पेरिस में उतरेंगे ओलंपिक में पहली बार रिकॉर्ड 21 भारतीय निशानेबाज हिस्सा लेने जा रहे हैं। ये निशानेबाज पेरिस में 27 पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। भारत से अधिक सिर्फ चीन के 22 निशानेबाज होंगे। ओलंपिक में उतरने जा रही युवा निशानेबाजी टीम है। मनु, ऐश्वर्य, एलावेनिल, अंजुम को ओलंपिक का अनुभव है। इन निशानेबाजों से देश को इस बार पदक लाने की भी उम्मीद रहेगी।

जडेजा सहित कुछ खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर , श्रेयस को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनने के साथ ही टीम में बदलाव होने भी तय हैं। ऐसे में जहां कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ सकता है। इन खिलाड़ियों में ऑलरांडर रविन्द्र जडेजा भी हैं। जडेजा टीम के मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं पर पिछले काफी समय से वह लय में नहीं हैं। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही। ये लगातार देखने में आया है। मैदान में वह गेंदबाजी के दौरान विकेट नहीं ले पा रहे। दूसरी और उनका बल्ला भी खामोश है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी जगह कोई युवा खिलाड़ी ले सकता है। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी जिम्बाब्वे में खेल रहे हैं और उन्हीं में से किसी खिलाड़ी को जडेजा की जगह मिल सकती है। वहीं टीम से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे की संभावनाएं भी अब तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। रहाणे पहले ही टी20 और एकदिवसीय प्रारुप से बाहर हो गये थे। अब गंभीर के आने के बाद उनकी टेस्ट फॉर्मेट में भी वापसी संभव नहीं है क्योंकि अब वह 36 साल के हो गये हैं और गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को रखना चाहेंगे जो लंबे समय तक रहे। इसके अलावा टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की वापसी की संभवना भी समाप्त हो गयी है। पुजारा पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं और उनकी उम्र भी 36 साल की हो गयी है। ऐसे में उनका कैरियर भी अब समाप्त है। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की वापसी की संभावनएं प्रबल हो गयी हैं। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के बाद टीम से बाहर कर दिय गया था हालांकि उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। श्रेयस आईपीएल विजेता केकेआर टीम के कप्तान हैं जबकि गंभीर इसी टीम के मेंटोर रहे हैं और उन्हें पसंद करते हैं। ऐसे में अब श्रेयस की वापसी की अच्छी संभावनाएं बन रही हैं।

रुतुराज सहित युवा खिलाड़ियों के पास विराट, रोहित और जडेजा की जगह लेने का अवसर

हरारे । युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जगह लेना काफी मुश्किल है पर उनका लक्ष्य किसी भी क्रम पर बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। टी20 विश्व कप जीत के बाद विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने छोटे प्रारुप को अलविदा कह दिया है। ऐसे में युवा खिलाड़ियों के पास इनकी जगह हासिल करने का अवसर है। ऐसे माना जा रहा है कि रुतुराज गायकवाड़ को विराट के स्थान पर जबकि अभिषेक शर्मा को रोहित की जगह खेलने का अवसर मिल सकता है। वहीं रुतुराज ने कहा कि अभी इस बारे में वह नहीं सोच रहे हैं। साथ ही कहा कि कोहली से तुलना करने के बारे में सोचना या उनकी कमी को पूरा करने का प्रयास करना भी बेहद कठिन है।

चैंपियंस ट्रॉफी- भारत के पाकिस्तान जाने के आसार नहीं : बीसीसीआई दुबई या श्रीलंका में मैच कराने के लिए आईसीसी से अपील कर सकता है

नई दिल्ली ।
फरवरी 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भारत की टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई भारत के मैच पाकिस्तान की जगह दुबई में या श्रीलंका में कराने के लिए आईसीसी से कहेगा। सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। अभी बीसीसीआई ने इस पर ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है। पिछले साल पाकिस्तान में हुई एशिया कप सीरीज में खेलने भी भारत नहीं गया था। भारत के मैच तब श्रीलंका में कराए गए थे।

पीसीबी अध्यक्ष ने तय किया 15 मैचों का कार्यक्रम

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अगले साल 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगा, जिसमें 10 मार्च फाइनल के लिए रिजर्व डे होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट के 15 मैचों का ड्राफ्ट आईसीसी को भेज दिया है। आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 8 टीमों के बोर्ड से सहमति लेने के बाद ही इस शेड्यूल को अप्रूव करेगा।

पाकिस्तान 1 मार्च 2025 को लाहौर में सबसे बड़े राइवल भारत से भिड़ सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक इस मैच के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। आईसीसी बोर्ड के एक वरिष्ठ सदस्य ने पीटीआई को यह जानकारी दी थी।

1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि, पीसीबी ने 2008 में पूरे एशिया कप की मेजबानी की थी और पिछले साल भी एशिया कप के कुछ मैच पकिस्तान में हुए थे।

पीसीबी ने भारत के सभी मुकाबले लाहौर में कराने का प्रस्ताव भेजा था

रिपोर्ट के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने 15 मैचों का शेड्यूल आईसीसी को भेजा है। जिसमें भारत के सभी मैच सुरक्षा कारणों की वजह से लाहौर में रखे गए हैं। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, पीसीबी ने 15 मैचों की आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया है। लाहौर में सात, कराची में तीन और रावलपिंडी में पांच मैच होंगे। शुरुआती मैच कराची में होंगे, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। इसके अलावा फाइनल मुकाबला लाहौर में खेला जाएगा। भारत के सभी मैच लाहौर में होंगे, अगर टीम सेमीफाइनल में पहुंची तो यह मैच भी लाहौर में ही होगा।

दो ग्रुप में आठ टीमें

भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। हाल ही में आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी, जब सुरक्षा टीम ने आयोजन स्थलों और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था।

भारत के कहने पर एशिया कप के मैच श्रीलंका में हुए थे

पिछले साल भी एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। तब भी भारत के वहां नहीं जाने पर यह टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' पर हुआ था। भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। कोलंबो में हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर चैंपियनशिप जीती थी।

1996 के बाद टीम को पहली बार मिली मेजबानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट के आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में होना है। वनडे वर्ल्ड कप 1996 के बाद यह पहला मौका है जब पाकिस्तान को किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी दी गई है।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पकिस्तान को हराया था

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को 120 रन का टारगेट चेज नहीं करने दिया। पाकिस्तान की टीम 7 विकेट पर 113 रन ही बना सकी। टी-20 इंटरनेशनल में भारत ने यह सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। टीम इंडिया 119 रन पर ऑलआउट हो गई।

वाटकिंस के अंतिम समय में किए निर्णायक गोल से जीता इंग्लैंड, नीदरलैंड को हराकर फाइनल में पहुंचा

डॉर्टमुंड ।
सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर खेलने उतरे ओली वाटकिंस ने स्टॉपेज टाइम में निर्णायक गोल दागकर इंग्लैंड को लगातार दूसरी बार यूएफा यूरोपियन चैंपियनशिप (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कराया। डॉर्टमुंड में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को 2-1 से हराया। मैच के अंतिम समय में वाटकिंस ने कोले पालमेर द्वारा मिले पास पर कॉर्नर से शानदार गोल दागा और टीम को निर्णायक बढ़त दिलाने में सफल रहे। इंग्लैंड का सामना अब खिताबी मुकाबले में स्पेन से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फ्रांस को 2-1 से मात दी थी।

इंग्लैंड की अच्छी नहीं रही थी शुरुआत

इंग्लैंड की इस मुकाबले में शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और जावी सिमंस ने सातवें मिनट में ही गोल कर नीदरलैंड को शुरुआती बढ़त दिला दी थी। हालांकि, इंग्लैंड ने भी वापसी करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और हैरी केन ने 18वें मिनट में मिली पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहला हॉफ बराबरी पर छूटा, जबकि दूसरे हॉफ में दोनों टीमों ने बढ़त लेने की पुरजोर कोशिश की। मुकाबला अतिरिक्त समय में जाता दिख रहा था, लेकिन तभी सब्स्टीट्यूट खिलाड़े के तौर पर उतरे वाटकिंस ने पालमेर द्वारा मिले पास पर स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में गोल करने का मौका नहीं गंवाया।

इंग्लैंड को लंबे समय से खिताब का इंतजार

गारेथ साउथगेट की टीम इंग्लैंड का अभियान इस यूरो कप में भी शानदार रहा है और वे लगातार दूसरी बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने में सफल रहे हैं। इंग्लैंड की कोशिश 1966 के बाद अपना पहला बड़ा खिताब जीतने की है। इसके लिए उसे फाइनल में स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा जिसने अब तक शानदार खेल दिखाया है। नीदरलैंड 1988 में जर्मनी में आयोजित पिछले यूरो में अपनी जीत दोहराने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन उनकी वर्तमान टीम में मार्को वैन बास्टेन या रूड गुलिट जैसी स्टार खिलाड़ी की कमी दिखी। अगर नीदरलैंड की टीम सेमीफाइनल में जीत दर्ज करने में सफल रहती तो यह 2010 विश्व कप के फाइनल की तरह मुकाबला होता।

राष्ट्रपति ने किया डूरंड कप का शुभारंभ कहा- भारतीय फुटबॉल के उत्थान के लिए मिलकर काम करना होगा

नई दिल्ली ।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डूरंड कप 2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में टूर्नामेंट की ट्रॉफियों का अनावरण किया। इनमें डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफी शामिल हैं।

एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के पांचवें सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट का 133वां सत्र 27 जुलाई से शुरू होगा। इसके मैच चार शहरों कोलकाता, असम में कोकराझार, मेघालय में शिलांग और झारखंड में जमशेदपुर में खेले जाएंगे।

राष्ट्रपति ने की भारतीय फुटबॉल के उत्थान की बात

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है। पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी लोगों का मनोरंजन करते हैं। वर्तमान में यूरो 2024 चल रहा है और इसे दुनिया भर में देखा जा रहा है, यह हर जगह खबरों में है। देश के सभी हितधारकों को भारत में खेल के उत्थान के लिए मिलकर काम करना चाहिए। राष्ट्रपति ने देश की फुटबॉल परंपरा में डूरंड कप के योगदान की याद दिलाई जिसका नाम इसके संस्थापक सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड के नाम पर रखा गया था।

सर हेनरी 1884 से 1894 तक भारत के विदेश सचिव रहे।

राष्ट्रपति ने याद किया टूर्नामेंट का इतिहास

राष्ट्रपति ने 1888 में शिमला में पहली बार आयोजित इस टूर्नामेंट के बारे में कहा, यह भारत का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है और यह 135 साल से भी अधिक पुराना है। भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने 1950 में डूरंड कप विजेताओं को प्रेसिडेंट्स कप प्रदान किया था। आठ टीमें ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम और दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम नॉकआउट चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। आगामी टूर्नामेंट में बांग्लादेश और भूटान की सेना की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी चहल से मिले

हरियाणा।
गुरुग्राम और दिल्ली दौरे पर निकले हरियाणा के सीएम नायब सिंह ने विश्व विजेता टीम इंडिया के सदस्य युजवेंद्र चहल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चहल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। टीम इंडिया ने बारबाडोस में 29 जून को दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप पर अपना कब्जा जमाया। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले युजवेंद्र चहल 15 सदस्यीय भारतीय टीम का हिस्सा थे, जिसके चलते उन्हें हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने सम्मानित किया। इस दौरान चहल का परिवार भी वहां मौजूद था। युजवेंद्र चहल का जन्म 23 जुलाई 1990 को हरियाणा के जींद जिले में हुआ था। शुरुआती दिनों में अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को खूब छकाने वाले चहल टी 20 विश्व कप 2024 की टीम में प्लेइंग-11 में जगह बनाने में सफल नहीं हुए, लेकिन टीम इंडिया में हमेशा उनका योगदान अतुलनीय रहेगा। सीएम नायब सिंह सैनी ने एक्स पर लिखा, टी20 विश्व कप की विश्व विजेता भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे और हरियाणा की मिट्टी के लाल युजवेंद्र चहल से मिलना हुआ। युजवेंद्र चहल ने पूरे देश सहित हरियाणा के असंख्य युवाओं को क्रिकेट के प्रति और खेलों में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित किया है। इस शानदार विजय के लिए उनको और समस्त भारतीय टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं। सोशल मीडिया पर चहल और नायब सिंह की मुलाकात का फोटो भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि सीएम ने चहल को पहले विश्व कप विजेता मेडल पहनाया। फिर शाल पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए उस मुकाबले में भारत ने 7 रनों से जीत हासिल की थी। भारत ने प्रतियोगिता में कोई मैच नहीं हारा था और 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त किया था। विश्व कप का फाइनल मुकाबला जीतने के बाद कप्तान रोहित समेत टीम के सभी खिलाड़ी काफी भावुक थे। रोहित और विराट कोहली की आंखों में आंसू थे। भारतीय टीम के स्वदेश आगमन के बाद उनका भव्य स्वागत हुआ था। टीम से दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की थी और फिर टीम मुंबई के मरीन ड्राइव से विजय परेड में भाग लेते हुए वानखेड़े स्टेडियम गई थी, जहां बीसीसीआई ने टीम को सम्मानित किया था।

धनराज पिल्लै की बराबरी पर पहुंचे मिडफील्डर मनप्रीत अपने चौथे ओलंपिक के लिए तैयार

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस में होने वाला है। खेल के इस महाकुंभ को लेकर भारतीय दल तैयार है। इस बीच भारतीय हॉकी टीम के वरिष्ठ मिडफील्डर मनप्रीत सिंह पेरिस में अपने चौथे ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हैं।

यह एक ऐसी उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो उन्हें इस खेल के दिग्गज धनराज पिल्लै के बराबर खड़ा करती है।

अपने चौथे ओलंपिक में खेलने के लिए तैयार, मनप्रीत ने अपनी खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए कहा, मेरा चौथे ओलंपिक में खेलना एक सपने के सच होने जैसा है। यह मेरे परिवार, कोचों और साथियों के वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट समर्थन का प्रमाण है। धनराज पिल्लै जैसे दिग्गज के नक्शेकदम पर चलना, जो मेरे सहित अनगिनत खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा रहे हैं, शब्दों से परे सम्मान है।

उन्होंने आगे कहा, मैं पेरिस में भारत के लिए अपना बेस्ट देने को लेकर उत्साहित हूं, न केवल टीम का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, बल्कि देश में लाखों प्रशंसकों की उम्मीदों और सपनों का प्रतिनिधित्व भी कर रहा हूं। हमारी टीम दुनिया को भारतीय हॉकी की भावना और ताकत दिखाने के लिए तैयार है।

हमने कड़ी मेहनत की है, और हम अपने देश को सम्मान दिलाने और अपने देशवासियों को गौरवान्वित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ हैं।

मनप्रीत ने 2011 में सीनियर टीम में डेब्यू किया। तब से इस मिडफील्डर ने 370 कैप हासिल किए हैं और 27 गोल किए हैं, जिससे मैदान पर उनके कौशल और निरंतरता का पता चलता है।

राष्ट्रीय टीम के साथ उनके सफर में पिछले तीन ओलंपिक खेलों में भागीदारी शामिल है। 2012 लंदन ओलंपिक, 2016 रियो ओलंपिक और 2020 टोक्यो ओलंपिक, जहां उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाया, जो 41 वर्षों में भारत का पहला ओलंपिक हॉकी पदक था।

साथ ही, पेरिस ओलंपिक के लिए टीम की मानसिकता और उम्मीदों के बारे में बात करते हुए मनप्रीत ने कहा, हम पर कोई दबाव नहीं है। हम हर मैच में अपने प्रदर्शन का आनंद लेने के लिए उत्सुक हैं। हमें किसी भी टीम को कम नहीं आंकना चाहिए, चाहे उनकी रैंकिंग कुछ भी हो। प्रत्येक टीम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और हम भी ऐसा ही करेंगे।हमारा ध्यान अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और एकजुट इकाई के रूप में एक-दूसरे का समर्थन करने पर है।

हमारा मानना है कि अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करके और अपना संयम बनाए रखकर हम बेहतरीन परिणाम हासिल कर सकते हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम स्विट्जरलैंड में माइक हॉर्न के बेस के लिए रवाना हुई, जहां वे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से गुजरेंगे। इसके बाद, हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम 20 जुलाई को पेरिस पहुंचने से पहले अभ्यास मैचों की एक श्रृंखला के लिए नीदरलैंड जाएगी।

पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारत को पूल बी में रखा गया है जिसमें मौजूदा चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड शामिल हैं।

क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने के लिए, टीम को अपने पूल में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान देश फ्रांस शामिल हैं, जो 12 टीमों के एक बेहद प्रतिस्पर्धी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट के लिए मंच तैयार करता है।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

पश्चिमी देशों में नीले रंग को युवा लड़कों से जोड़कर देखा जाता है। भौतिक और भौगोलिक क्षेत्र में रंग सबसे सुंदर पहलुओं में से एक हैं। हम चारों तरफ रंगों से घिरे हुए हैं, लेकिन कितनी बार हम असंख्य रंगों में कई बारीकियों को नहीं देख पाते हैं। नीले रंग को हमारे यहां भी खास महत्व दिया गया है। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे हैं। हाल के दिनों में इस पर बहुत काम हुआ है। हाल ही में हुई रिसर्च में कहा गया है कि अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए।

युवाओं का नीला रंग...

रंगों का अपना चमत्कार होता है। उसका शरीर मन और भावना के स्तर पर बहुत प्रभाव होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि जीवन पर सूर्य की किरणों का गहरा असर होता है, वैसे ही रंगों का भी असर होता है। वह भी तो प्रकाश ही है। आप स्वयं अनुभव करेंगे कि जिस दिन आकाश बादलों से घिरा रहता है तब अग्नि मंद हो जाती है, शरीर सुस्ताने लग जाता है। धूप होती है, तो आदमी में स्फूर्ति होती है, सूरज के ताप का और प्रकाश का हमारे शरीर पर प्रभाव होता है, वैसे ही रंगों का प्रभाव भी हमारे शरीर और मन पर होता है। वर्तमान में रंगों पर बड़ा महत्वपूर्ण काम हुआ है, अनेक प्रयोग और तथ्य सामने आए हैं। अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए। यह बात एक रिसर्च में सामने आई है। छोटी अवधि के लिए नीले रंग की रोशनी से संपर्क आपको कठिन निर्णय लेने में मदद कर सकता है। नीले रंग के प्रकाश में 40 मिनट तक रहने के बाद आप कठिन निर्णय तीव्रता के साथ ले सकते हैं। यूनवर्सिटी ऑफ एरिजोना में इस अध्ययन के शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययनों में केवल प्रकाश में रहने की अवधि के दौरान उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था, लेकिन यह अध्ययन बताता है कि नीले रंग के प्रकाश के आवरण के लाभकारी प्रभाव 40 मिनट बाद भी रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के अध्ययन के निष्कर्षो के मुताबिक, आधा घंटे के लिए नीले रंग की रोशनी में एक छोटी अवधि का संपर्क अधिक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देने के समय में औसत दर्जे का परिवर्तन करने के लिए पर्याप्त है। यह सुधार सीधे तौर पर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की सक्रियता में औसत दर्जे के परिवर्तन के साथ जुड़े हैं। नीलापन युक्त सफेद रोशनी कई व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे पायलट काकपिट, ऑपरेशन कक्ष और सैन्य कार्यों में काफी इस्तेमाल की जाती है, जहां त्वरित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

नीले रंग की खूबियां

नीला रंग अपनी विशेष खूबियों के कारण काफी महत्व रखता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम तमाम जतन करते हैं। इस मामले में रंग भी हमारी सहायता करते हैं, क्योंकि इनका संबंध स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशियों से होता है। नीला रंग आध्यात्मिकता, अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और आंतरिक शांति का रंग है। नीले रंग के उपचार में दोनों शारीरिक और मानसिक रूप से, ठंडा और तसल्ली के लिए प्रयोग किया जाता है। नीले रंग के प्रयोग से शांति का अनुभव होता है। नीले रंग का ध्यान करने से शांति मिलती है। इसी तरह बैंगनी रंग शक्ति के साथ सांसारिक और आध्यात्मिक दोनों जुड़ा हुआ है।

नीले रंग के लाभ

फेंगशुई में नीले रंग को प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन का रंग बताया गया है। इसका उचित तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह घर और उसमें रहने वाले सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ कराता है, चिंता से मुक्ति देता है और आर्थिक व बौद्धिक प्रगति प्रदान करता है। नीला रंग जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए जल तत्व के सारे गुण इसमें समाहित हैं। नीला रंग पानी की ही तरह चंचल, गतिमान और जीवनदायिनी शक्ति प्रदान करता है। फेंगशुई कहता है कि अगर अपने आसपास के वातावरण में नीले रंग का प्रयोग किया जाए तो यह आपकी इच्छापूर्ति में मदद करता है। यह आपके ठहरे हुए व्यवसाय, करियर या निजी संबंधों को फिर से गति प्रदान करने में सहायक होता है।

ताजे विचार

हल्का नीला रंग उन लोगों के लिए विशेष लाभदायक हो सकता है, जो सृजनात्मक कार्यों से जुड़े हैं। यह रंग ताजा विचारों को प्रोत्साहित करता है। सीखने के इच्छुक लोगों को भी यह रंग अपेक्षित लाभ प्रदान करता है। गहरा नीला रंग शयनकक्ष के लिए उपयुक्त रंग माना जाता है। शयनकक्ष में गहरा नीला रंग तनावमुक्त, गहरी और सुकूनभरी नींद प्रदान करता है। इस रंग की एक और खासियत है कि यह ब्लड प्रेशर के मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। नीला रंग ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में मददगार होता है। ऐसा माना जाता है कि रंगों का जन्म लगभग 2000 ईसा पूर्व हुआ। धीरे-धीरे रंगों की छटा पूरे विश्व में फैल गयी। भारत में प्रारंभिक काल से ही रंगों का विशेष महत्व रहा है। मोहन जोदड़ों एव हड़प्पा की खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता में रंगीन बर्तन एवं मूर्तियां पाई गई।

मिस्र में नीला रंग

प्राचीन मिस्र में रंगो का उपयोग 'उपचार रंग' के रूप में भी किया गया। मिस्र निवासी सूर्य की उपासना किया करते थे। उनका मानना था कि सूर्य के प्रकाश के बिना जीवन असंभव है। उन्होंने प्रकृति के रंगों के मुताबिक ही अपने मंदिरों को भी रंगा था। नीले आसमानी रंग से उनको काफी लगाव था। इनके कक्ष भी विभिन्न रंगों से सजे होते थे। आधुनिक चिकित्सा पद्धति को प्राचीन प्रकाश चिकित्सा से जोड़ कर देखा गया। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे। इसका सटीक अध्ययन सबसे पहले न्यूटन ने किया। उन्होंने यह कहकर सनसनी फैला दी कि रंग एक नहीं सात होते हैं। इसको प्रमाणित करने के लिए उन्होंने एक प्रयोग किया जिसमें एक अंधेरे कमरे में छोटे से छेद द्वारा सूर्य का प्रकाश आता था। यह प्रकाश एक प्रिज्म कांच द्वारा अपवर्तित होकर सफेद पर्दे पर पड़ता था। पर्दे पर सफेद प्रकाश के स्थान पर इद्रधनुष के सात रंग दिखाई दिए। ये रंग लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला तथा बैंगनी हैं। जब न्यूटन ने प्रकाश के मार्ग में एक और प्रिज्म पहले प्रिज्म से उलटा रखा, तो इन सात रंगों का प्रकाश मिलकर पुनः सफेद रंग प्रकाश बन गया। इन्हीं सात रंगों को इन्द्रधनुष नाम से जाना जाता है। सौ साल पहले पश्चिम में औद्योगिकरण की क्रांति ने कपड़ा उद्योग को तेजी से रफ्तार दी। जिससे रंगो की मांग बढ़ गई। प्राकृतिक रंगों के साधन भी सीमित थे। मांग और पूर्ति के आकड़े को देखते हुए कृत्रिम रंगो की खोज शुरू हुई। उन्हीं दिनों रॉयल कालेज ऑफ केमिस्ट्री, लंदन में विलियम पार्कीसन एनीलीन से मलेरिया की दवा कुनैन बनाने में जुटे हुए थे। कई प्रयोगो के बाद कुनैन तो बना नहीं लेकिन बैंगनी रंग जरूर बन गया। 1856 ई. में संयोगवश तैयार हुए इस रंग को मोव कहा गया। इस क्रम में 1860 में रानी रंग, 1862 में एनलोन नीला और काला 1865 में विस्माई भूरा, 1880 ई में सूती काला जैसे रासायनिक रंग उत्पन्न हुए। शुरुआत में यह रंग तारकोल की सहायता से बनाये जाते थे बाद में रासायनिक पदार्थो का प्रयोग किया जाने लगा। जर्मन रसायनशास्त्री एडोल्फ फोन ने 1865 में तमाम असफलताओं से जूझते हुए नील बनाने में सफलता प्राप्त की। जिसके लिए उन्हें 1905 ई. में नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

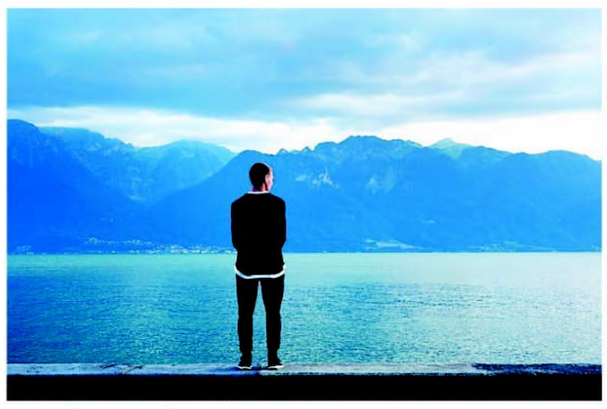

स्मार्ट लुक पाने के लिए चुनें सही चश्मा...

आजकल हर लड़के को चश्मा पहनना पसंद होता है। मार्केट में कई डिजाइन में चश्मे मिल जाते हैं, जो आपको स्मार्ट दिखने में मदद कर सकते हैं। वैसे अगर आप एक सही चश्मे का प्रयोग करते हैं तो उससे आप केवल स्मार्ट ही नहीं लगेंगे बल्कि इससे आपके अन्दर आत्मविश्वास भी आएगा। आप जब भी चश्मा लें तो पहले यह जरूर देख लें कि आपके चेहरे का आकार कैसा है। ज्यादातर चेहरे चार आकार के होते हैं। गोल, आयताकार, ओवल और हार्ट या डायमंड आकार। अगर आप अपने चेहरे के आकार को ध्यान में रख कर चश्मा लेते हैं तो आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी और आप अपने लिए एक सही चश्मे का चुनाव कर सकेंगे। अपने चेहरे के आकार के साथ-साथ आपको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि आप जो चश्मा ले रहे हैं वो कहीं आपके चेहरे से बड़ा तो नहीं है। अगर आपका चेहरा छोटा है और आप हर समय चश्मा पहने रखते हैं तो हो सकता है बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे न लगें, लेकिन ऐसा नहीं है कि बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगेंगे। आप चाहें तो कभी-कभी अपने लुक में बदलाव करने के लिए बड़े चश्मों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ऑफिस में बने रहें मिस्टर कूल...

ऑफिस में काम करते समय कई बार लोगों को किसी भी बात पर गुस्सा आ जाता है। किसी भी कारण तनाव का माहौल बन जाता है। काम के चलते कुछ न कुछ स्ट्रेस हो जाता है। ऑफिस में अपने डेस्क पर एक छोटे गमले पर हरा पौधा रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि हरा पौधा देखने से मन को शांति मिलती है। एक छोटा हरा पौधा आपके चारों तरफ के माहौल में शांति फैलाता है। जब भी ऑफिस में आपको किसी बात पर गुस्सा आए या फिर काफी थकावट महसूस हो इस हरे पौधे की तरफ देखें एवं अच्छा सोचें। ऑफिस में काम को लेकर आए गुस्से पर काबू पाने के लिए अपनी कुर्सी से उठकर आसपास कुछ देर के लिए टहलें। ऐसा करने से काम से होने वाला स्ट्रेस दूर होता है। मांसपेशियां फैलती हैं और मन में पॉजिटिव विचार आते हैं। काम के फ्रस्टेशन को दूर करने के लिए अपनी कुर्सी पर बैठकर या फिर खड़े होकर आप अपनी बॉडी को स्ट्रेच करें। इसके अलावा आप कुछ हल्की एक्सरसाइज का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ऑफिस में काम के बीच-बीच में ड्राइ फ्रूट्स खाने से काम से होने वाला स्ट्रेस कम होता है। साथ ही गुस्सा आने पर ड्राइ फ्रूट्स खाने से मेंटल प्रेशर कम होता है और गुस्सा जल्द ही ठंडा हो जाता है।

आपकी जींस असली है या नकली?

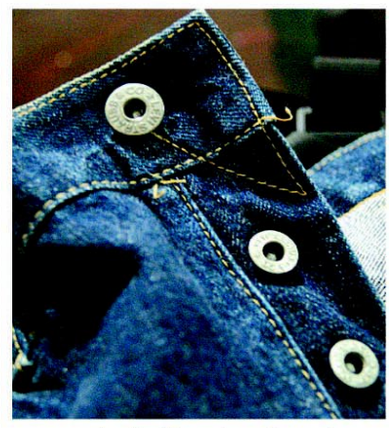

आज के दौर में हर इंसान फैशन के साथ ब्रांडेड कपंनी के कपड़ों के पीछे भागता है जिसके लिए वह बड़ी कीमत देने को भी तैयार रहता है। ब्रांडेड कपड़े परफेक्ट लुक के साथ उभरते भी है। इसलिए लोग इनके पीछे ज्यादा भागते है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि सही कीमत देने के बाद भी हम ब्रांडेड कपड़ों की खरीददारी करते समय धोखा खा ही जाते है। क्योंकि असली जैसी दिखने वाली ब्रांडेड चीज भी नकली हो सकती है। इसलिए आज हम आपको ऐसी जानकारी से अवगत करा रहे हैं। ब्रांड लेविस की जीन्स के बारे में जिसकी असलियत की पहचान कर आप धोखा खाने से बच सकते हैं। तो जाने जींस के असली नकली की पहचान आप किस प्रकार कर सकते हैं।

बटनों में खास मार्क

जो जींस असली होती है उसमें लगने वाली बटनों में खास तरह का मार्क लगा होता है। यदि आपकी जींस में उपयोग किया जाने वाला बटन प्लेन है तो तुरंत ही समझ जाइए की वह जींस नकली ब्रांड की है। हमेशा जींस में आपको लेविस का मार्क खास तरह से लगा हुआ मिलेगा।

555 नंबर

ब्रांड जीस की सही पहचान जानने के लिएउसके बटन में इस बात पर गौर करे कि उसमें लिखा जाने वाला नं. 555 है या नही। अगर नहीं है तो आपकी जींस लेविस ब्रांड का नहीं है। वैसे तो बाजार में आपको अपनी ओर खींचने के लिए कई तरह के अलग अलग ब्रांड के जींस दिखाए जाते हैं। जो ज्यादातर नकली भी होते हैं।

डब्ल्यू33 एल 34

लेविस ब्रांड के जींस की सबसे बड़ी खासियत ये होती है कि इसमें दिए लोगो में डाले गए अंक की लंबाई और चौड़ाई, खास तरह से लिखी होती है। इसमें डब्ल्यू33 एल 34 लिखा मिलेगा यदि आपकी जींस में इस प्रकार का नंबर नही है तो आपकी जींस नकली ब्राडं की है।

प्रेम और दया सबसे बेहतर रास्ता...

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हम जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करें। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

प्रेम के बदले प्रेम

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होती है वह प्रसन्न होती है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराती है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है।

परमात्मा के समकक्ष

ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

यस्य चित्तं द्रवीभूतं कृपया सर्वजंतुष।
तस्य ज्ञानेन मोक्षेण किं जटाभस्मलेपनैः।।

अर्थात जिसका हृदय सभी प्राणियों पर दया करने हेतु द्रवित हो उठता है, उसे ज्ञान, मोक्ष, जटा और भस्म लगाने की क्या जरूरत? भाव यह है कि हमें सभी प्राणियों पर दया करनी चाहिए, उनसे स्नेह करना चाहिए। जो ऐसा करता है, उसका स्थान परमात्मा के समकक्ष हो जाता है।

दया धर्म का मूल

किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देखने पर उसके कष्ट दूर करने के उद्देश्य से उसकी सहायता करने की जिस इच्छा का मनुष्य के हृदय में जन्म होता है, वह दया या करुणा कहलाती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे में कहा है-दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान। तुलसी दया न छोड़िये जब लगि घट में प्राण।।

विचारणीय यह है कि यदि दया धर्म का मूल है तब धर्म को स्थायित्व प्रदान करने और सशक्त बनाये जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, जो धर्म में विश्वास रखता है अथवा जो धर्म की उन्नति चाहता है अथवा जो अपने को धर्म का रक्षक कहता है, को अपने अन्दर के दया भाव को जागृत कर उसका प्रयोग धर्म की जड़ों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। सभी प्राणियों पर दया करते हुए असहाय दलितों, वंचितों और गरीबों पर विशेष दया दृष्टि से उनका दर्द कम करना होगा। कोरे भाषण देकर धर्म की पैरबी करने, दयनीय जीवन जी रहे लोगों को अल्पकालिक लालच देकर अपने समुदाय में शामिल करने अथवा उनके इर्द-गिर्द पहरेदार खड़े करने से धर्म की जड़े मजबूत नहीं होंगी।

जीवन के प्रति सजग भाव

जिस मनुष्य में जीवन के प्रति सहज भाव है उसे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। संत रविदास ने कहा है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। इसके विपरीत बाजार के आर्थिक स्वामी तथा प्रचार प्रबंधक अपने शोर से लोगों के मन को ही भटकाते हैं। जिस धर्म का पालन सही ढंग से एकांत में हो सकता है उसे उन्होंने चौराहे पर चर्चा का विषय बना दिया है। भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में यही स्थिति है। हर धर्म के ठेकेदार अपने निर्धारित विशिष्ट रंगों के वस्त्र पहनकर यह प्रमाणित करते हैं कि वह अपने समाज के माननीय है। यह अलग बात है कि किसी भी धर्म के मूल प्रवर्तक ने अपने समाज के लिए किसी खास रंग की पहचान नहीं बनाई। इस तरह धर्म को लेकर एक तरह से भ्रम की स्थिति बन गई है। अगर हम प्राचीन ग्रंथों के आधार पर धर्म के सिद्धांत की पहचान करें तो वह आचरण के आधार पर बना हुआ होता है। उसको कोई निश्चित कर्मकांड नहीं है। यही कारण है कि धार्मिक रूप से हमारे यहां एकता है पर कर्मकांडों में स्थान और क्षेत्र के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। जहां तक स्वयं धर्म के आधार पर चलने का प्रश्न है तो उस पर अवश्य विचार करना चाहिए। प्रातःकाल उठकर योगसाधना तथा पूजा आदि कर मन को स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त बनाना चाहिए। उससे पूरा दिन अच्छा निकलता है। धर्म को लेकर लोगों से अधिक चर्चा नहीं करना चाहिए क्योंकि अधिकतर लोग इस बारे में अपना ज्ञान बघारते हैं। हमारे आसपास धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग उंगलियों पर गिनती करने लायक ही होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**